डिजिटल संध्या हिन्दी दैनिक

संथाल संध्या

शुक्रवार 09 मई, 2025 • वर्ष- 1 • अंक :51 • पृष्ठ 8

अब आदिवासी की आवाज सदन तक

Regno-T/JH/2025/0508/9358/1318 | संपर्क नंबरः 9800993294,9334344989 | Email: santhalsandhya@gmail.com

पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक में पहली बार इस्तेमाल हुआ बेंगलुरु में बना ड्रोन

एजेंसी, बेंगलुरु

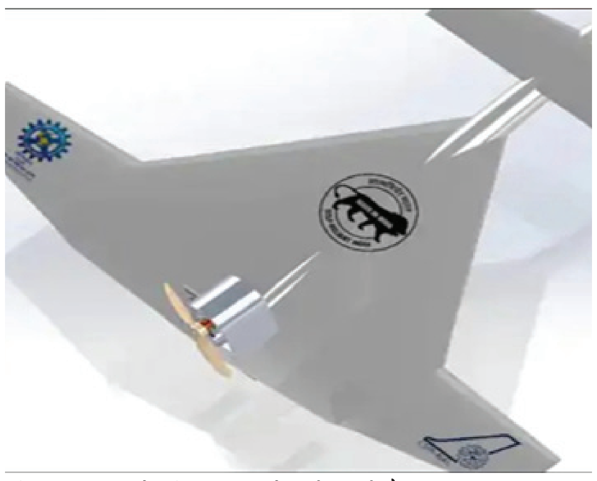

भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला ले लिया है। पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया गया है। इसमें बड़ी संख्या में आतंकी मारे गए हैं। सेना ने इस ऑपरेशन में आत्मघाती ड्रोन का इस्तेमाल किया था। इसे सुसाइड या कामिकेज ड्रोन भी कहते हैं। बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद लोइटरिंग म्यूनिशन्स को अपने हथियारों में शामिल किया गया था।

बुधवार तड़के ऑपरेशन सिंदूर में स्काईस्ट्राइकर सुसाइड ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। ये ड्रोन दुश्मन के ठिकानों को ढूंढकर उन पर हमला करने के लिए बनाए गए हैं। ड्रोन के अंदर एक वारहेड लगा है, जो धमाका करता है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ये सुसाइड ड्रोन बेंगलुरु के एक इंडस्ट्रियल एस्टेट में बने हैं। इन्हें अल्फा डिजाइन और इजराइल की एल्बिट सिक्योरिटी सिस्टम्स ने मिलकर बनाया है। सेना ने 2021 में 100 से ज्यादा स्काईस्ट्राइकर ड्रोन का ऑर्डर दिया था। ये ड्रोन 100 किलोमीटर तक जा सकते हैं। हर ड्रोन अपने आप काम कर सकता है और 5 किलो या 10 किलो का वारहेड ले जा सकता है। ये बिजली से चलते हैं, इसलिए इनकी आवाज बहुत कम होती है। इससे ये चुपचाप कम ऊंचाई पर भी उड़ सकते हैं।

अल्फा डिजाइन के सीएमडी, रिटायर्ड कर्नल ने स्काईस्ट्राइकर के ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल होने की खबरों पर कोई टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा कि ऐसे सवालों के जवाब सरकार ही दे सकती है। स्काईस्ट्राइकर को एक सस्ता और असरदार हथियार माना जाता है। ये लंबी दूरी तक सटीक निशाना लगा सकता है। ये ड्रोन सैनिकों और स्पेशल फोर्सेज को सीधा हमला करने की ताकत देता है। एल्बिट कंपनी स्काईस्ट्राइकर के बारे में कहती है कि ये एक अनमैन्ड एयरक्राफ्ट सिस्टम की तरह उड़ता है और मिसाइल की तरह हमला करता है।

कंपनी के मुताबिक एक शांत, अदृश्य और अचानक हमलावर के रूप में, स्काईस्ट्राइकर पूरी सटीकता और भरोसे के साथ हमला करता है। यूएएस का मतलब है, बिना पायलट का विमान। दुश्मन को ढूंढकर मारना हमेशा से सेना की रणनीति का हिस्सा रहा है। लेकिन अब नई टेक्नोलॉजी, जैसे कि लोइटरिंग म्यूनिशन्स, ने सेंसर-टू-शूटर ऑपरेशंस को बदल दिया है। सेंसर-टू-शूटर ऑपरेशंस का मतलब है, दुश्मन को ढूंढना और उस पर तुरंत हमला करना है।

पाकिस्तान ने रात में किए हमले सेना ने जारी किया वीडियो

एजेंसी, नई दिल्ली । ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने बीती रात नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर विभिन्न इलाकों में ड्रोन हमले की कोशिश की। हालांकि उनकी कोशिशों को भारत के सुरक्षाबलों के द्वारा नाकाम कर दिया गया। सेना ने वीडियो जारी करते हुए लिखा, पाकिस्तानी सशस्त्र बलों ने 08 और 09 मई 2025 की मध्य रात्रि को पूरे पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य हथियारों का उपयोग करके कई हमले किए। पाक सैनिकों ने जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर कई संघर्ष विराम उल्लंघन (सीएफवी) भी किए। ड्रोन हमलों को प्रभावी ढंग से विफल किया गया और सीएफवी को मुंहतोड़ जवाब दिया गया। भारतीय सेना राष्ट्र की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। सभी नापाक मंसूबों का बलपूर्वक जवाब दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, भारतीय सेना की एयर डिफेंस यूनिट्स द्वारा चलाए गए बड़े पैमाने पर ड्रोन-विरोधी अभियान में 50 से अधिक ड्रोन सफलतापूर्वक मार गिराए गए। ये ड्रोन हमले उधमपुर, सांबा, जम्मू, अखनूर, नगरोटा और पठानकोट जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को निशाना बनाने के प्रयास में किए गए थे। सेना ने इन हमलों के जवाब में एल-70 एंटी-एयरक्राफ्ट गन, जेडयू-23 मिमी तोपें, शिल्का सिस्टम्स और अन्य आधुनिक काउंटर-यूएएस उपकरणों का व्यापक रूप से इस्तेमाल किया।

पीएम शहबाज गीदड़ हैं, मोदी के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोलाः सांसद शाहिद

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सांसद शाहिद अहमद खट्टक ने पीएम शहबाज शरीफ को गीदड़ कहा है। नेशनल असेंबली में बोलते हुए शाहिद ने कहा कि पीएम शहबाज ने भारत के पीएम मोदी के खिलाफ एक शब्द नहीं कहा। दूसरी तरफ पाक सरकार ने करांची पोर्ट को उड़ाने से जुड़ी खबरों को झूठा बताया है। करांची पोर्ट के एक्स हैंडल ने इसकी जानकारी देते हुए पोर्ट को सुरक्षित बताया है।

वहीं पाकिस्तान सेना प्रवक्ता ने शुक्रवार को दावा किया कि अब तक भारत के 35 ड्रोन को मार गिराया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के हमलों में उनके 31 लोग मारे गए हैं जबकि 57 घायल हुए हैं। इससे पहले गुरुवार को पाक सेना ने 25 ड्रोन को मार गिराने की बात कही थी। सेना प्रवक्ता के मुताबिक भारत ने 9 जगहों पर ड्रोन हमले किए। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि बुधवार को हुए भारतीय ड्रोन हमलों का मकसद पाकिस्तान के अंदर ठिकानों की पहचान करना था। दरअसल पाकिस्तान ने गुरुवार बताया था कि भारत ने उसकी 9 जगहों पर ड्रोन से हमला किया है। इस दौरान पाक ने 25 ड्रोन को मार गिराने का दावा भी किया। पाक अधिकारियों के मुताबिक इन ड्रोन्स को अगर एयर डिफेंस सिस्टम से मारा जाता तो, उन एयर डिफेंस की जानकारी भारत को मिल जाती।

संक्षिप्त समाचार

दो हजार साल बाद पहली बार कैथोलिक चर्च को मिला अमेरिकी पोप

वेटिकन सिटी । करीब 2000 साल के इतिहास में पहली बार कैथोलिक चर्च को एक अमेरिकी पोप मिला है। अमेरिका के रॉबर्ट प्रीवोस्ट को पोप चुना गया है और उन्होंने अपना नया नाम लियो चौदहवां रखने का ऐलान किया है। वेटिकन सिटी की सिस्टिन चैपल की चिमनी से जैसे ही सफेद धुआं उठा, दुनिया को यह संकेत मिल गया कि नए पोप का चयन हो चुका है।

मुंबई के टाटा अस्पताल को बम से उड़ाने की झूठी धमकी से हड़कंप

मुंबई । मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल को बम से उड़ाने की झूठी धमकी भरा ई-मेल शुक्रवार को सुबह मिलने से हड़कंप मच गया था। पुलिस की टीम ने पूरे अस्पताल की तलाशी ली, लेकिन कहीं बम अथवा विस्फोटक न मिलने से सुरक्षाकर्मियों ने राहत की सांस ली है। इस मामले की शिकायत भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध दर्ज की गई है और धमकी भेजने वाले के आईपी एड्रेस की तलाश की जा रही है।

देश में खाद्यान्न की कोई कमी नहीं: शिवराज सिंह

नई दिल्ली । केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर शुक्रवार को मंत्रालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और ग्रामीण विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में शिवराज ने कहा कि अधिकारियों से फसल बुआई, खाद्यान्न, फल-सब्जी उत्पादन तथा उपलब्धता की जानकारी लेने के साथ मौजूदा परिस्थितियों में किसानों को कहीं-कोई दिक्कत नहीं आने देने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए।

एक हफ्ते के लिए ही आईपीएल स्थगित, जल्द आयेगा नया शेड्यूल : राजीव शुक्ला

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टूर्नामेंट अनिश्चित काल के लिए स्थगित नहीं हुआ है। केवल एक सप्ताह के लिए ही स्थगित किया गया है। शुक्ला ने कहा है कि नये शेड्यूल की घोषणा शीघ्र ही होगी। वहीं इससे पहले कहा गया था कि आईपील मुकाबले अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिये गये हैं जिसपर अब बोर्ड की ओर से जवाब आया है। गत दिवस गुरुवार को दिल्ली और पंजाब मैच बीच में ही रद्द करने के बाद से ही टूर्नोमेंट के आगे आयोजन पर भी संशय जताया जा रहा था। आईपीएल का ये 18 वां सत्र अपने अंतिम पड़वा पर था और फाइनल के साथ ही केवल 16 मैच बचे थे। इसमें लीग चरण के 12 मैच शामिल थे। ये पहली बार नहीं हुआ है कि जब आईपीएल का कोई सत्र बीच में ही स्थगित हुआ है था। इससे पहले 2021 में कोरोना महामारी के कारण सत्र रोका गया था।

बीसीसीआई ने शुक्रवार को आईपीएल को स्थगित करने की घोषणा की। आईपीएल को स्थगित करने का फैसला पाकिस्तान के साथ तनाव और युद्ध के हालात को देखते हुए लिया गया है। इसी कारण गुरुवार को धर्मशाला में चल रहे पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के मैच को बीच में ही रोक दिया गया था। बाद में मैच को रद्द कर दिया गया और सभी खिलाड़ियों, सहायेगी स्टाफ और दर्शकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

आतंकियों के ताबूतों पर जो फूल चढ़ाए गए वे इशारा कर रहे मारे गए बड़े आतंकी !

क्या आतंकी हाफिज सईद या मसूद अजहर भारत के हमले में मारे गए?

एजेंसी, नई दिल्ली

बुधवार देर रात पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर भारत ने आतंक के नौ ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। भारत ने जिन ठिकानों पर हमला किया उसमें मुरीदके में हाफिज सईद और बहावलपुर में मौलाना मसूद अजहर का ठिकाना भी था। ऑपरेशन सिंदूर में बहावलपुर के मरकज को मिसाइल अटैक से तबाह कर दिया। ये वह जगह है जो मसूद अजहर का सबसे बड़ा ठिकाना है। वहीं मरकज तैयबा जो मुरीदके में है। वहां पर भारत ने हमला करके हाफिज सईद के सबसे बड़े टेरर प्वाइंट को मिट्टी में मिला दिया। अब सवाल उठा है कि क्या पाकिस्तान में निकले ताबूतों का सीधा रिश्ता हाफिज सईद या मसूद अजहर से हो सकता है? अटकलें लगाई जा रही है कि क्या इस ऑपरेशन में इन दोनों में से कोई मारा गया है वैसे ताबूतों को देखकर यही लग रहा है कि कोई ब़ड़ा आतंकवादी मारा गया है। वैसे पाकिस्तान की तरफ से ताबूतों पर जो फूल चढ़ाए गए उसमें से एक पर चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लिखा था। वहीं दूसरे पर राष्ट्रपति लिखा था। इसके अलावा एक अन्य ताबूत के सामने लश्कर का कमांडर हाफिज अब्दुल रउफ ने खुद नमाज पढ़ी। ऐसे में इन तीन सबूत और फोटो से यह सवाल उठ रहे हैं कि हाफिज सईद या अजहर मसूद मारा गया है क्या? पाकिस्तान में पंजाब प्रांत में आतंकवादी के ताबूत पर जो फूल चढ़ाया गया है उस पर लिखा है चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ यानी पाकिस्तानी सेना का प्रमुख आसिम मुनीर ने ये फूल आतंकी के ताबूत के लिए भेजे थे।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने लगाई रक्षा अभियानों की लाइव कवरेज पर रोक

▪ **कहा - रिपोर्टिंग करते समय मौजूदा कानूनों व नियमों का सख्ती से पालन करें**

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शुक्रवार को सभी मीडिया चैनलों को रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की गतिविधियों की लाइव कवरेज से बचने की हिदायत दी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा है कि सभी मीडिया चैनलों को रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही के लाइव कवरेज को दिखाने से परहेज करना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया यूजर्स से अनुरोध है कि वे रक्षा और अन्य सुरक्षा संबंधी अभियानों की रिपोर्टिंग करते समय अत्यंत जिम्मेदारी बरतें और मौजूदा कानूनों व नियमों का सख्ती से पालन करें।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से रक्षा अभियानों या सुरक्षा बलों की गतिविधियों से संबंधित रीयल-टाइम कवरेज, विजुअल का प्रसार या सूत्र आधारित जानकारी की रिपोर्टिंग नहीं की जानी चाहिए। संवेदनशील जानकारी का समयपूर्व खुलासा अनजाने में शत्रु की मदद कर सकता है और अभियान की प्रभावशीलता और कर्मियों की सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। पिछली घटनाओं ने जिम्मेदार रिपोर्टिंग के महत्व को रेखांकित किया है। कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकी हमले और कंधार अपहरण जैसे मामलों में अनियंत्रित कवरेज से राष्ट्रीय हितों पर प्रभाव पड़ा था। मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और व्यक्ति राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कानूनी दायित्वों के अलावा, यह हमारा साझा नैतिक उत्तरदायित्व है कि हमारे सामूहिक कार्य चल रहे अभियानों या हमारी सेनाओं की सुरक्षा को खतरे में न डालें। इस आदेश में कहा गया है कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने पहले ही सभी टीवी चैनलों को केबल टेलीविजन नेटवर्क नियमों का पालन करने के लिए परामर्श जारी किया है।

ऑपरेशन सिंदूर......के अलावा भी 9 प्रमुख सैन्य अभियानों में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को धूल चटाई

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने आतंक के खिलाफ अपनी नीति को बार-बार स्पष्ट किया है कि किसी भी हमले का जवाब सटीक और प्रभावशाली होगा। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर ने फिर साबित किया कि भारत अपनी सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब भारत ने इस तरह की सख्त कार्रवाई कर दुश्मन को जबाव दिया हो। भारत के इतिहास में इसतरह कई सैन्य अभियान हुए हैं, जिसमें पाकिस्तान को करारा जवाब दिया गया है।

भारत के अब तक के प्रमुख सैन्य अभियान : ऑपरेशन अब्लेज : साल 1965 में कच्छ के रण क्षेत्र में तनाव के बाद यह रक्षात्मक कार्रवाई थी, इससे सीमा की रक्षा सुनिश्चित की गई।

ऑपरेशन रिडलः साल 1965 में ही ऑपरेशन

पाकिस्तान के जिब्राल्टर और ग्रैंड स्लैम के जवाब में किया गया था। इसका उद्देश्य पाक सेना को पीछे धकेलना और सीमाओं की सुरक्षा करना था।

ऑपरेशन कैक्टस लिलीः इसके बाद साल 1971 में बांग्लादेश की आजादी के लिए हुए युद्ध में यह प्रमुख सैन्य अभियान था। 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया।

ऑपरेशन त्रिशूल और पायथनः इस तरह साल 1971 में भारतीय नौसेना द्वारा कराची बंदरगाह पर हमला कर पाकिस्तानी नौसैनिक ताकत को कमजोर किया गया।

ऑपरेशन मेघदूतः इसके बाद साल 1984 में भारत ने सियाचिन ग्लेशियर पर रणनीतिक बढ़त हासिल की और आज भी वहां नियंत्रण बनाए हुए है।

ऑपरेशन विजयः कारगिल युद्ध में भारत ने दुश्मन को पीछे हटने पर मजबूर किया। यह भारत की सैन्य क्षमताओं की बड़ी जीत थी।

ऑपरेशन सफेद सागरः साल 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तानी ठिकानों पर सटीक हमले किए।

ऑपरेशन बंदरः मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी शिविरों को एयरस्ट्राइक से निशाना बनाया। वहीं ऑपरेशन सिंदूर के तहत पहलगाम हमले में 26 निर्दोष लोगों की हत्या के जवाब में यह कार्रवाई की गई। भारत ने पाकिस्तान और पीओके में स्थित नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इसमें जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्य अड्डे शामिल थे।

दैनिक संध्या न्यूज़पेपर

(आवश्यकता)

संथाल संध्या

सभी जिले में ब्यूरो चीफ की आवश्यकता

पाकुड़, साहिबगंज ,देवघर, जामताड़ा, धनबाद, गोड्डा, कोडरमा, रामगढ़, गिरिडीह

इच्छुक व्यक्ति नीचे दिए गए संपर्क नंबर पर संपर्क

9800993294 , 9334344989

संक्षिप्त समाचार

बुद्ध पूर्णिमा 12 को, मंदिरों में दोमांग पाठ शुरू

रांची। भगवान बुद्ध की जयंती 12 मई को मनाई जाएगी। इसकी तैयारी राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में शुरू हो गई है। इसे लेकर जैप-एक स्थित बुद्ध मंदिर में दोमांग पाठ किया गया। दोमंग पथ 10 मई तक किया जाएगा। शाम में मंदिर में पूजा-अर्चना की जाएगी। दार्जिलिंग के मणि सिंह लामा सहित अन्य चार लामा के नेतृत्व में पाठ किया जा रहा है। इस अवसर पर जैप-एक में शोभायात्रा निकाली जाएगी। जैप-एक स्थित बुद्ध मंदिर में शुक्रवार को 1001 दीप जलाकर विश्व शांति के लिए प्रार्थना की गई। 11 मई को झंडा लगाया जाएगा। वहीं 12 मई को मुख्य समारोह होगा। सुबह 9.45 बजे मुख्य झंडा लगाया जाएगा। इसके बाद दीप प्रज्वलन के बाद सुबह 10.30 बजे प्रभातफेरी निकाली जाएगी। दोपहर में प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

झारखंड का तापमान पहुंचा 40 डिग्री

रांची। झारखंड एक बार फिर से तपने लगा है। राज्य के पलामू जिला में तापमान 40 डिग्री पहुंच गया है। अन्य जिलों में भी तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। राजधानी रांची में पिछले छह दिनों में तापमान में पांच डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई है। तीन मई को रांची में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री था जो शुक्रवार को बढ़कर 36.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। तापमान बढ़ने से राजधानीवासियों को दिन में प्रचंड गर्मी का एहसास हो रहा है, जबकि शाम होते ही बादल छा रहे हैं और कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो रही है। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिल रही है। वहीं गुरुवार की शाम में बुंदाबांदी के बावजूद काफी उमस महसूस की गई। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि होने की आशंका जताई है। साथ ही 10 से 14 मई तक उत्तर-पूर्वी झारखण्ड में लू चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

पूरा देश सेना के साथ है एकजूट : भाकपा

रांची। भाकपा के राज्य सचिव महेंद्र पाठक और पार्टी के जिला सचिव अजय कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से बयान जारी कर कहा कि सेना के साथ पूरा देश एकजूट है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि हमारे देश की सेना पाकिस्तान में आतंकवादियों को मार रही है। हमें हमारे देश की सेना पर गर्व है। पाकिस्तान पहले भी भारत के हाथों कई बार युद्ध हार चुका है। युद्ध और आतंकवाद से लड़ने की स्थिति में पूरा देश एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए एक साथ खडा है। पार्टी नेताओं ने कहा कि हम सभी देशवासी अपनी सेना के साथ मिलकर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देंगे। वहीं महेंद्र पाठक ने बताया कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए 11 मई को अल्पसंख्यक अधिकार मंच की ओर से आयोजित होनेवाले कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है।

रांची में मिलिट्री इंटेलिजेंस और झारखंड एटीएस का छापा, सेना की नकली वर्दी बरामद

रांची। रांची में सेना की खुफिया एजेंसी (मिलिट्री इंटेलिजेंस) और झारखंड एटीएस (आतंकवाद निरोधी दस्ता) ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर सेना की नकली वर्दी बरामद की है। अधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लखनऊ मिलिट्री इंटेलिजेंस से मिली विशेष सूचना के आधार पर बूटी मोड़ इलाके में स्थित श्री गणेश आर्मी स्टोर पर कार्रवाई की गई। जहां से सेना की नकली वर्दी और बिना इजाजत बनाए गए लड़ाई वाले कपड़े बरामद किए गए। इन नकली वर्दियों को आम लोगों को बेचा जा रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए दुकान के मालिक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई और फिर बॉन्ड भरवाकर उसे छोड़ दिया गया। सदर थाने की पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। उल्लेखनीय है कि इस समय भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है। देश भर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। ऐसे में नकली वर्दी का मिलना चिंताजनक है। इनका इस्तेमाल राष्ट्र विरोधी तत्व कर सकते हैं। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। इस पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इसमें और कौन-कौन शामिल है और उनके इरादे क्या थ

शाखा के रक्तदान शिविर में दो युनिट रक्त संग्रह

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा के सत्र (2025 - 26) विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर शाखा की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर लगाया गया। रक्तरदान शिविर का आयोजन शुक्रवार को सेवा सदन अस्पताल में किया गया। रक्तदान प्रभारी पायल जैन और संयोजिका कोमल पोद्दार ने पूरे कार्यक्रम के आयोजन में महती भूमिका अदा की और लोगों से रक्तदान करने का आग्रह किया। मौके पर शाखा की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल ने कहा कि एक इंसान रक्तदान कर दूसरे इंसान को जीवनदान दे सकता है । शाखा की कोशिश रहती है कि हर साल रक्तदान में समर्पण शाखा एक नया कीर्तिमान हासिल करे। शिविर में दो युनिट रक्त संग्रह किया गया । रक्तनदान करनेवालों को शाखा की ओर से रक्तदान का प्रमाण पत्र और जूस दिया गया।

भारत-पाकिस्तान में तनाव को लेकर रिम्स में 50 बेड तैयार

संथाल संध्या

रांची। रिम्स निदेशक प्रो (डॉ) राज कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव की स्थिति को देखते हुए किसी भी आकस्मिकता से निपटने की तैयारी को लेकर बैठक हुई। रिम्स निदेशक के कार्यालय में हुई बैठक में जो निर्णय लिए गए उनमें बेड की उपलब्धता के लिए न्यू ट्रॉमा सेन्टर, पेइंग वार्ड और कॉटेज में 50 बेड फिलहाल चिन्हित किया गया है। साथ ही जरूरत पडने पर बेडों की संख्या बढाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में कहा गया कि सभी 50 बेड में मॉनिटर और ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा बैठक में एक मल्टी डिसिप्लीनरी टीम का गठन करने का निर्णय लिया गया। इसमें जिन विभागों से चिकित्सक और रेजीडेंट उपलब्ध रहेंगे। इनमें न्यूरो सर्जरी के दो, सर्जरी से दो, अस्थि रोग विभाग से दो, औषधि विभाग से दो, प्लास्टिक सजरी से एक, नेत्र रोग विभाग से दो, कान नाक और गला विभाग से दो, निश्चेतना विभाग से दो चिकित्सक, चार रेजीडेंट चिकित्सक, डेन्टल से मैक्सीसलोफेसियल सर्जन के दो चिकित्सक, डीजीएमओ के छह, चिकित्सजक शामिल हैं। इसके अलावा यह टीम जरूरत पडने पर चिकित्सकीय और प्रशासनिक कार्यों के लिए भी उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। साथ ही आकस्मिकता से निपटने के लिए 50 स्टाफ नर्स, 50 पारामेडिकल स्टाफ, 15 व्हील चेयर और 16 ट्रॉली रिजर्व रखे जायेंगे।सभी भंडारों में औषधि, सर्जिकल सामानों और अन्य सामानों की सातों दिन चौबीय घंटे उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। यह मल्टी् डिसिप्लीनरी टीम हर दिन बैठक कर अद्यतन रिपोर्ट से निदेशक को अवगत करायेंगे। बैठक में रिम्स के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक, अपर चिकित्सा अधीक्षक, उपाधीक्षक, ट्रॉमा सेन्टर प्रभारी, प्रशासनिक पदाधिकारी, प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

डालसा और रोटरी क्लब ने बांटा बोतलबंद पानी

संथाल संध्या

रांची। झालसा के निर्देश और न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार के मार्गदर्शन में शुक्रवार को डालसा, रांची एवं रोटरी क्लब ऑफ अपटाउन की ओर से अल्बर्ट एक्का चौक से राजेंद्र चौक तक ट्रैफिक पुलिस और अन्य लोगों में बोतलबंद पानी बांटा गया। प्रचंड गर्मी को देखते हुए डालसा की ओर से यह कार्यक्रम आयोजित गया गया। स अवसर पर एलएडीसी चीफ, प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, एलएडीसी सहायक, शिवानी सिंह, रोटरी क्लब रांची की सदस्य, रूमा चटर्जी, रूपा मुखर्जी, सीमा सिंह, रचना बाली, संगीता प्रसाद, ममता पांडे, रंजना प्रसाद, नितिका शर्मा, पीएलवी सम्पा दास सहित अन्य सदस्य उपस्थित थीं।

मौके पर डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर ने कहा कि बढ़ती गर्मी के कारण कड़ी धूप में काम करने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। पानी की कमी को पूरा करने के लिए ही डालसा की ओर रोटरी क्लब, रांची के सहयोग से पानी का बोतल और जीरा पानी का बोतल का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने लोगों को अधिक से अधिक पानी पीने की सलाह दी, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो। उल्लेखनीय है कि पिछले चार-पांच दिनों से झारखंड के विभिन्न जिलों में भीषण गर्मी पड़ रही है। इसके कारण दैनिक मजदूर, खुले सार्वजनिक स्थानों पर तैनात व्यक्ति, फूठपाथ पर रहनेवाले छोटे विक्रेता, यातायात पुलिस और अन्य लोग प्रभावित हो रहे हैं।

विज्ञान प्रदर्शनी में डीएवी हेहल को मिला दूसरा स्थान

संथाल संध्या

रांची। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर बीआईटी मेसरा, रांची में शुक्रवार को आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय के प्राचार्य बिपिन राय ने विजयी छात्रों को प्रशस्ति-पत्र और मेडल पहनाकर सम्मानित किया। विज्ञान प्रदर्शनी में राजधानी के 15 सीबीएसई से संबंधित विद्यालयों के लगभग 100 विज्ञान मॉडल प्रस्तुत किए गए थे। इसमें डीएवी हेहल की ओर से प्रस्तुत 10 उत्कृष्ट मॉडलों को सम्मिलित रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र उत्कर्ष सहाय, अनमोल सिंह और मोहित कुमार जैन की ओर से तैयार स्पेक्ट्रोमीटर मॉडल को विशेष सराहना मिली। इसी मॉडल ने निर्णायक मंडली से द्वितीय स्थान अर्जित किया।

प्राचार्य ने दी बधाईः प्राचार्य ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे छात्रों ने विज्ञान के क्षेत्र में अपनी सृजनात्मकता और दक्षता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यह उपलब्धि समस्त विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार इस उपलब्धि को एक प्रेरणास्रोत मानते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालय की शिक्षिका अजन्ता कुमारी और सरस्वती राय ने नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयत्नशील रहती हैं। इससे विद्यालय के बच्चे लाभान्वित होते हैं।

हाईकोर्ट का बड़ा आदेश, अब 65 वर्ष में सेवानिवृत्त होंगे विश्वविद्यालों के डेमोंस्ट्रेटर

संथाल संध्या

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने विश्वविद्यालयों में कार्यरत डेमोंस्ट्रेटरों को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उनकी सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा को फिर से 65 वर्ष कर दिया है। पहले राज्य सरकार ने इसे घटाकर 60 वर्ष कर दिया था, जिसके खिलाफ कई डेमोंस्ट्रेटरों ने याचिका दायर की थी। सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा कम करने के खिलाफ दायर ब्रजेश कुमार वर्मा, भुवनेश्वर प्रसाद गुप्ता सहित अन्य की अलग-अलग याचिकाओ पर झारखंड हाईकोर्ट ने यह फैसला सुनाया है। हाइकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने शुक्रवार को प्रार्थियों की याचिका को स्वीकृत करते हुए कहा कि सरकार ने 2011 में जो गजट नोटिफिकेशन जारी किया, उसमें उसे लागू करने की तारीख स्पष्ट नहीं थी, इसलिए वह मान्य नहीं है। इसलिए प्रार्थियों की सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 65 वर्ष की जा रही है। खंडपीठ ने पूर्व में सभी पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। प्रार्थियों के अधिवक्ता श्रेष्ठ गौतम ने बताया कि सरकार ने वर्ष 2011 में एक प्रस्ताव लाते हुए विश्वविद्यालय में कार्यरत सभी डेमोंस्ट्रेटर को गैर शैक्षणिक की श्रेणी में डाल दिया। वर्ष 2011 का सरकार का जो गजट नोटिफिकेशन है, उसमें एक तिथि दी जानी थी, जिस दिन से उसे लागू किया जाना था, वह तिथि कभी घोषित नहीं की गई। उनकी ओर से कोर्ट को यह भी बताया गया कि पूर्व में डेमोंस्ट्रेटर शिक्षक की श्रेणी में आते थे। लेकिन सरकार के इस फैसले के बाद सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 65 वर्ष के बजाय 60 वर्ष हो गयी। उन्होंने बताया कि प्रार्थी उक्त प्रस्ताव के लागू होने के पहले से डेमोंस्ट्रेटर पद पर कार्यरत हैं। प्रस्ताव प्रार्थियों पर लागू नहीं होता है। पूर्व में सुनवाई में कोर्ट ने प्रस्ताव इन पर लागू नहीं होने का आदेश दिया था, लेकिन राज्य सरकार डेमोंस्ट्रेटर को 60 वर्ष में ही सेवानिवृत्त कर रही है।

रांची एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन पर बरती जा रही विशेष सतर्कता

संथाल संध्या

रांची। भारत और पाकिस्तान के मध्य बढ़ते तनाव के मद्देनजर झारखण्ड की राजधानी रांची में शुक्रवार को सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गयी है। रांची एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। एयरपोर्ट पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की टीम स्निफर डॉग की मदद से यात्रियों के सामान की जांच कर रही है। एयरपोर्ट के एंट्री गेट पर भी यात्रियों की कड़ी जांच की जा रही है। इसी तरह रांची रेलवे स्टेशन सहित राज्य के अन्य स्टेशनों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। रेलवे स्टेशनों पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान गहनता से जांच करते देखे जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि रांची एयरपोर्ट से हर दिन औसतन 25 से 27 विमान अलग-अलग शहरों के लिए उड़ान भरते हैं। यहां से दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु, पटना, पुणे से लिए सीधी विमान सेवा उपलब्ध है। रांची के रेलवे स्टेशन से भी देश के अलग अलग राज्यों के लिए प्रतिदिन दर्जनों रेल गाड़ियां का परिचालन होता है।

ट्रक से पांच लाख की लकड़ी बरामद

- पोड़ाहाट वन क्षेत्र में वन विभाग की एक बड़ी कार्रवाई
- गुरुवार रात गुप्त सूचना मिली थी कि बंदगांव थाना क्षेत्र के जंगलों में अवैध लकड़ी की तस्करी हो रही

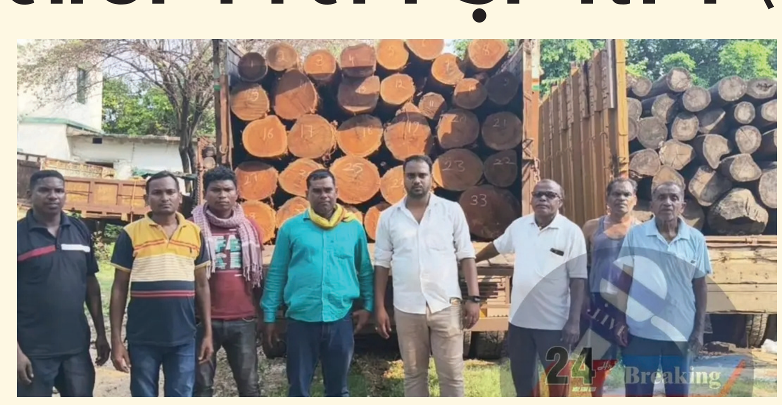

संथाल संध्या

पश्चिम सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के पोड़ाहाट वन क्षेत्र में वन विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध साल लकड़ी से लदे ट्रक को जब्त किया है। ट्रक से बरामद लकड़ी की कीमत लगभग पांच लाख रुपये आंकी गई है। इस कार्रवाई के बाद लकड़ी माफियाओं में हड़कंप मच गया है। जिले के चक्रधरपुर स्थित पोड़ाहाट वन क्षेत्र अंतर्गत सोंगरा-केरा वन क्षेत्र में वन विभाग ने शुक्रवार तड़के एक ट्रक (जेएच02ए 3261) से भारी मात्रा में साल की अवैध लकड़ी जब्त की है। यह कार्रवाई सोंगरा वन क्षेत्राधिकारी ललन उरांव के नेतृत्व में की गई, जिन्हें गुरुवार रात गुप्त सूचना मिली थी कि बंदगांव थाना क्षेत्र के जंगलों में अवैध लकड़ी की तस्करी हो रही है। सूचना के आधार पर रेंजर उरांव ने तत्काल एक टीम गठित कर मौके पर भेजा। शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे टीम जब सोंगरा पंचायत के हेसाडीह के 23 बीट क्षेत्र में पहुंची तो देखा कि रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग पर एक 10 चक्का ट्रक में कुछ लोग साल की लकड़ी लाद रहे थे। वन विभाग की टीम को देखते ही लकड़ी माफिया, ट्रक चालक और खलासी मौके से ट्रक लेकर भागने लगे।

लगभग आठ किलोमीटर तक पीछा करने के बाद ट्रक चालक और खलासी गाड़ी को सड़क पर छोड़ जंगल की ओर फरार हो गए। टीम ने ट्रक की जांच की तो उसमें साल की 50 से अधिक लकड़ी के बोटे बरामद हुए। जब्त ट्रक और लकड़ी को चक्रधरपुर लाया गया, जहां जांच के बाद लकड़ियों की अनुमानित कीमत पांच लाख रुपये आंकी गई। रेंजर ललन उरांव ने बताया कि जब्त ट्रक हजारीबाग जिले से पंजीकृत है। ट्रक के चेसिस नंबर की जांच के बाद मालिक की पहचान की जाएगी, ताकि अवैध तस्करी में शामिल लोगों को गिरफ्तार किया जा सके। फिलहाल अज्ञात लकड़ी माफिया और ट्रक चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है।

राज्य में खासमहाल जमीन की लीज नवीकरण की प्रक्रिया जल्द

संथाल संध्या

- लीज नवीकरण से संबंधित मामले को लेकर तीन मंत्रियों ने रांची में एक उच्चस्तरीय बैठक की
- नगर विकास मंत्री ने कहा कि लीजधारियों के लिए लगान दर का निर्धारण इस तरह से किया जाए जो व्यवहारिक हो

रांची। राज्य के पलामू सहित विभिन्न जिलों में खास महाल की जमीन की लीज नवीकरण की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। खास महाल की जमीन पर पूर्व से निर्मित रिहायशी मकान, व्यवसायिक दुकान की लीज नवीकरण से संबंधित मामले को लेकर तीन मंत्रियों ने शुक्रवार को रांची में एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में जो तीन मंत्री मौजूद थे इनमें वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, राजस्व, निबंधन और भूमि-सुधार मंत्री दीपक बिरूआ तथा नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू शामिल थे। बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी, भू-राजस्व सचिव चंद्रशेखर और वन विभाग के सचिव अबूबकर सिद्दीकी भी उपस्थित थे।

सलामी राशि को घटाने पर चर्चाः बैठक में राधाकृष्ण किशोर ने लीज नवीकरण के लिए भुगतान की जाने वाली सलामी राशि को घटाने, लीज भूमि को बंधक रखने का प्रावधान, आवासीय और व्यवसायिक लीज में बहुमंजिला मकान बनाने की अनुमति, लीज नवीकरण, अन्तरण, लीज प्रयोजन में परिवर्तन की प्रक्रिया निर्धारित किये जाने तथा लीजधारियों के लिए लगान दर को कम करने की बात कही। नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि लीजधारियों के लिए लगान दर का निर्धारण इस तरह से किया जाए जो व्यवहारिक हो, उन पर अधिक आर्थिक बोझ न पड़े और सरकार को राजस्व की भी प्राप्ति हो सके।

लीज नवीकरण की समस्याओं का जल्द करें निराकरणः वहीं भू-राजस्व मंत्री दीपक बिरूआ ने अधिकारियों को लीज नवीकरण की समस्याओं का जल्द निराकरण कर संकल्प तैयार करने का निर्देश दिया। ताकि, कैबिनेट की स्वीकृति लेकर जल्द समस्या का समाधान किया जा सके। मुख्य सचिव अलका तिवारी और भू-राजस्व सचिव चन्द्रशेखर ने बैठक में बताया कि खास महाल भूमि सरकार की बहुमूल्य संपत्ति है। पलामू, हजारीबाग सहित अन्य ऐसे जिलों में खास महाल भूमि में लीज नवीकरण के अनेकों मामले लंबित पड़े हैं। लीज नवीकरण के लंबित मामलों का समाधान नहीं होने के कारण लीजधारियों को परेशानी होती है। साथ ही राज्य सरकार को राजस्व की भी क्षति हो रही है। लीजधारियों की सुविधा और राजस्व वृद्धि के लिए लीज नवीकरण के मामले पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

गोड्डा पथरगामा भाजपा के वरिष्ठ नेता दीप नारायण भगत का निधन

बासु कुमार की रिपोर्ट

गोड्डा/पथरगामा:- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता दीप नारायण भगत का आज निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। दीप नारायण भगत भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं में गिने जाते थे और उन्होंने पार्टी के लिए लंबे समय तक महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन पर पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। उनके बड़े पुत्र संतोष कुमार भगत ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार पारिवारिक एवं धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न हुआ। स्थानीय नेताओं और भाजपा पदाधिकारियों ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया है और शोक-संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है 1

साहिबगंज महाविद्यालय के डॉ अनिल कुमार ने अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में चमकाया नाम

साहिबगंज:-अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार ऑन केमिस्ट्री फॉर बैटर टुमारो का आयोजन इंडियन केमिकल सोसाइटी भागलपुर चैप्टर द्वारा एवं आतिथ्य विश्वविद्यालय रसायन शास्त्र एवं भौतिक विभाग,तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय,भागलपुर, बिहार के संयुक्त तत्वाधान में हुआ। इस सेमिनार में डॉ अनिल कुमार, विभागाध्यक्ष रसायन शास्त्र स्नातकोत्तर विभाग,साहिबगंज महाविद्यालय,साहिबगंज (सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका) अपने दो शोधार्थी निरंजन मिश्रा एवं राहुल मिर्धा के साथ दो शोध पत्र प्रस्तुत किए। डॉ अनिल कुमार द्वारा प्रस्तुत शोध पत्र "पीयरसन कोरिलेशन एंड फिजिको केमिकल एनालिसिस ऑफ सम एग्रीकल्चरल फर्म लैंड ऑफ बरहरवा (साहिबगंज डिस्ट्रिक्ट)" एवं "पीयरसन कोरिलेशन एंड फिजिको केमिकल एनालिसिस ऑफ सम ग्राउंड वाटर असेसमेंट ऑफ लोकल एरिया ऑफ साहिबगंज" ने श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया। डॉ कुमार ने दोनों शोध पत्रों के मूल बिंदु मृदा एवं जल के विभिन्न भौतिक एवं रासायनिक गुणों से श्रोताओं को अवगत करवाया और जल एवं मृदा का फसल में उपज की गुणवत्ता के विभिन्न आयामों को पीयरसन कार्रेलेशन के द्वारा विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। डॉ कुमार के कार्य को प्रो डी.सी.मुखर्जी (सलाहकार,इंडियन केमिकल सोसाइटी,कोलकाता),प्रो तारा शंकरपाल (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,खड़गपुर),प्रो सुदीप कुमार दास (सचिव,इंडियन केमिकल सोसाइटी,कोलकाता) एवं अन्यों ने भी सराहा, जिससे साहिबगंज महाविद्यालय एवं सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित हुआ। मौके पर रसायन शास्त्र स्नातकोत्तर विभाग साहिबगंज महाविद्यालय साहिबगंज के छात्र ऋषभ राज व अन्य मौजूद थे। इस अवसर पर डॉ कुमार के शोध कार्य की सराहना करते हुए सभी ने साहिबगंज महाविद्यालय की प्रतिभा को पूरे क्षेत्र में प्रदर्शित करने का आह्वान किया।

साहिबगंज हत्याकांडः पुलिस ने 2 और आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

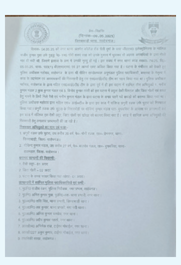

साहिबगंज:- पुलिस ने नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कॉलेज रोड चैती दुर्गा निवासी बिजली दुकानदार संजीव कुमार गुप्ता उर्फ गुड्डू की गोली मारकर हत्या करने के मामले में 2 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में छंगुरी रजक उर्फ चुटरा एवं गोविंद कुमार मंडल शामिल हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा गोली और घटना के समय फायर किए गए खोखा को बरामद किया है। एसडीपीओ किशोर तिर्की ने प्रेसवार्ता कर इस बात की जानकारी दी। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इससे पहले एसपी के निर्देश पर एसआईटी टीम ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। अब तक कुल 5 आरोपी इस मामले में गिरफ्तार किए जा चुके हैं। एसडीपीओ किशोर तिर्की ने बताया कि पुलिस इस मामले में आगे भी कार्रवाई कर रही है और आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूत जुटाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस की टीम इस मामले में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पाकुड़ में बंगाली एसोसिएशन ने मनाई रवींद्रनाथ टैगोर की 164वीं जयंती

पाकुड़:- रविंद्र नाथ टैगोर के 164वीं जयंती के अवसर पर बंगाली एसोसिएशन के सदस्यों ने शहर के रविंद्र चौक में स्थित रविंद्र नाथ टैगोर की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक जगन्नाथ मंडल ने रवींद्रनाथ टैगोर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह एक महान बंगाली कवि, विद्वान, उपन्यासकार, नाटककार, मानवतावादी, दार्शनिक और नोबेल पुरस्कार विजेता थे। उन्होंने कहा कि टैगोर की कविताएं, लघु कथाएं और रविंद्र संगीत आज भी लोगों के बीच लोकप्रिय हैं। साहित्य के क्षेत्र में उन्हें 1913 में नोबेल पुरस्कार मिला था। देश का राष्ट्रगान भी इन्होंने लिखा था। टैगोर की रचनाएं न केवल बंगाली साहित्य में बल्कि विश्व साहित्य में भी एक महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। उनकी कविताओं में जीवन के विभिन्न पहलुओं को बहुत ही सुंदर और मार्मिक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर बंगाली संगठन के अध्यक्ष मुकुल भट्टाचार्य, सचिव सर्वेश्वर साधु, मुख्य संरक्षक निरंजन घोष, जगन्नाथ मंडल, बेला मजूमदार, अनूप सिन्हा और मानिक दे ने भी टैगोर के जीवनी पर प्रकाश डाला। मौके पर बंगाली एसोसिएशन के दर्जनों सदस्य और शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सभी ने रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों और विचारों को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में टैगोर के जीवन और कार्यों पर चर्चा की गई और उनकी विरासत को याद किया गया। सभी ने टैगोर की कविताओं और संगीत के माध्यम से उनके विचारों और आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने टैगोर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

उपायुक्त ने जनता दरबार के माध्यम से सुनी आमजनों की समस्याएं

संथाल संध्या

साहिबगंज:- जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती ने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की समस्याएं सुनी। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने अपनी समस्याओं से उपायुक्त महोदय को अवगत कराया। जनता दरबार में आए लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा, जिसमें भूमि संबंधी, सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, राशन और अन्य समस्याएं शामिल थीं। उपायुक्त महोदय ने लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी और उनके समाधान को लेकर उन्हें आश्वस्त कराया। उन्होंने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को समस्याओं का समाधान करने के लिए निर्देशित किया। उपायुक्त ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। उपायुक्त महोदय ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें। उन्होंने कहा कि सभी आवेदनों की भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान करने में देरी नहीं होनी चाहिए। जनता दरबार में शिकायत के रूप में आए आवेदन विभिन्न विभागों व योजना से संबंधित एवं असंबंधित रहे। उपायुक्त महोदय ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का समाधान करना है, और इसे सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

अपर समाहर्ता ने EVM वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

संथाल संध्या

साहिबगंज:- अपर समाहर्ता गौतम भगत ने समहरणालय स्थित EVM वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस में रखे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा एवं प्रबंधन का जायजा लिया। अपर समाहर्ता ने वेयरहाउस में सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से मूल्यांकन किया और सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि EVM की सुरक्षा और रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने वेयरहाउस के अधिकारियों और कर्मचारियों को सुरक्षा के प्रति सजग रहने का निर्देश दिया। अपर समाहर्ता ने वेयरहाउस में फायर सेफ्टी उपकरणों की उपलब्धता और सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की। उन्होंने पाया कि सभी सीसीटीवी कैमरे ठीक से काम कर रहे हैं और फायर सेफ्टी उपकरण भी उपलब्ध हैं। अपर समाहर्ता ने कहा कि पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए EVM की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए EVM की सुरक्षा और रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इस दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कू व सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। अपर समाहर्ता ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि वे भी EVM की सुरक्षा और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए सहयोग करें।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्नः मिशन वात्सल्य योजना व बाल संरक्षण पर विस्तृत चर्चा

संथाल संध्या

साहिबगंज:- उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की एक अहम बैठक जिला समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित की गई। बैठक में मिशन वात्सल्य योजना की विस्तृत जानकारी दी गई तथा बाल संरक्षण के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 170 बच्चों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ दिया जाएगा। उपायुक्त ने बाल कल्याण समिति के कार्यों की समीक्षा करते हुए पदाधिकारी को निर्देश दिया कि चिन्हित बच्चों को सभी कल्याणकारी योजनाओं से शीघ्र जोड़ते हुए उनका समुचित संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में पंचायती राज विभाग द्वारा गठित महिला, शिशु एवं सामाजिक कल्याण समिति के अंतर्गत कार्य कर रही जिला परिषद समिति, प्रखंड स्तरीय समिति एवं पंचायत स्तरीय समितियों के कार्यों की भी समीक्षा की गई। इन समितियों के माध्यम से महिला एवं बच्चों से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी कार्रवाई हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) द्वारा बाल मित्र थाना एवं जिला बाल संरक्षण इकाई (DCPU) के साथ की जा रही मासिक समीक्षा बैठक पर भी चर्चा हुई। साथ ही श्रम विभाग द्वारा संचालित धावा दल के मासिक अभियान, जिसमें बाल विवाह, बाल श्रम, बाल व्यापार एवं पोक्सो एक्ट के तहत प्रस्तुत मामलों पर कार्रवाई होती है, की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने इन मामलों में बच्चों के पुर्नवास, विद्यालय में नामांकन, कौशल प्रशिक्षण एवं परिवार को योजनाओं से जोड़ने पर विशेष बल दिया। इसके अतिरिक्त, CCI (चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूशन) एवं SAA (विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी) के लिए स्थायी भवन की व्यवस्था, बालगृह में रह रहे बच्चों की नियमित मासिक स्वास्थ्य जांच एवं दत्तक ग्रहण हेतु चयनित बच्चों के लिए चिकित्सकीय प्रतिवेदन तैयार करने हेतु विशेषज्ञ डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति पर भी विचार हुआ। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया, जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी पंकज झा, श्रम अधीक्षक वीरेन्द्र नाथ महतो, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, नगर प्रशासक (साहेबगंज, राजमहल, बरहरवा) सहित चाइल्डलाइन से जुड़े कर्मी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के अंत में उपायुक्त ने बाल हित में कार्य कर रहे सभी विभागों के समन्वय पर जोर देते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी बच्चा सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

राधानगर में सेवा शिविर का भव्य आयोजनः श्रद्धालुओं के लिए ठंडा जल, चना व गुड़ की व्यवस्था

संथाल संध्या

साहिबगंज/उधवा :- प्रखंड के राधानगर हाई स्कूल चौक पर शुक्रवार को एक सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य बैसाख माह में शुक्रवासनी मंदिर में जलाभिषेक के लिए आए श्रद्धालुओं को राहत पहुंचाना था। शिविर का शुभारंभ भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष उज्ज्वल मंडल और युवा नेता पंकज घोष ने जल सेवा प्रदान कर किया। बैसाख माह में राजमहल, मंगलहाट, साहिबगंज, जामनगर सहित विभिन्न राज्यों से भारी संख्या में श्रद्धालु शुक्रवासनी मंदिर में पूजा अर्चना हेतु पहुंचते हैं। इस भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप को देखते हुए शिविर में ठंडा पानी, चना और गुड़ की निशुल्क व्यवस्था की गई। जिससे श्रद्धालुओं को त्वरित राहत मिली और वे अपनी पूजा-अर्चना में ध्यान केंद्रित कर सके। सेवा शिविर में स्थानीय युवाओं की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि सेवा शिविर में न केवल श्रद्धालुओं को राहत दी गई, बल्कि सामाजिक एकता और समर्पण की एक सुंदर मिसाल भी पेश की गई। उन्होंने कहा कि इस तरह के सेवा कार्य से समाज में एकता और सौहार्द का वातावरण बनता है। इस मौके पर कृष्णा शर्मा, अजिर शेख, बिट्टू कुमार, राजीव घोष, सागर घोष, अनिमेष घोष, आकाश घोष, देवाशीष मंडल, बियागर मंडल, टॉनिक घोष, सुभम घोष, सिकंदर कुमार, रूपकुमार घोष सहित दर्जनों युवा मौजूद रहे। सभी ने सेवा शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और श्रद्धालुओं की सेवा में अपना सहयोग दिया।

डीआरएम ने साहिबगंज स्टेशन का निरीक्षण किया और रविंद्र नाथ टैगोर की जयंती में हुए शामिल

संथाल संध्या

साहिबगंज :- मालदा रेल मंडल के प्रभारी डीआरएम यतीश कुमार शुक्रवार को विशेष सैलून से साहिबगंज पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले साहिबगंज रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और चल रहे अमृत भारत योजना का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कई सारी कमियों पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए और सिस्टम के तहत कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

इसके बाद डीआरएम यतीश कुमार साहिबगंज टाइगर विचार मंच के द्वारा आयोजित रविंद्र नाथ टैगोर की 164वीं जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि रविंद्र नाथ टैगोर के रचित कविताएं और उपन्यास राष्ट्र प्रेम को जगाते हैं। मंच के अध्यक्ष डॉ रंजीत कुमार सिंह और सचिव हिमांशु शेखर गुहा ने डीआरएम से अनुरोध किया कि रविंद्र नाथ टैगोर की प्रतिमा को स्टेशन परिसर के मुख्य केंद्र में लगाया जाए, जिस पर डीआरएम ने सहमति जताई।

डीआरएम यतीश कुमार ने झरना कॉलोनी स्थित डीएमयू मेंटेनेंस सेड, नॉर्थ कॉलोनी स्थित रेलवे जेनरल इंस्टीच्यूट और ईआरएमयू कार्यालय में भी रविंद्र नाथ टैगोर की जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर मालदा डीईएन कोर्डिनेशन नीरज कुमार, डीओएम अमरेंद्र कुमार, डीएमई रत्नेश कुमार और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पाकुड़ः पुलिस अधीक्षक ने सिमलोंग ओ.पी. का किया वार्षिक निरीक्षण

संथाल संध्या

पाकुड़:- जिले में पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने शुक्रवार को सिमलोंग ओ.पी. का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओ.पी. में दर्ज लंबित कांडों की विस्तार से समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए ताकि न्यायिक प्रक्रिया में गति लाई जा सके। उन्होंने थाना अभिलेखों, पंजीयों और संचिकाओं का गहन अवलोकन किया और जहाँ त्रुटियाँ पाई गईं, वहाँ सुधार करने का आदेश दिया। इसके साथ ही उन्होंने पुलिसकर्मियों को अभिलेखों को अद्यतन और व्यवस्थित रखने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि अभिलेखों का सही रख-रखाव पुलिस कार्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इससे न्यायिक प्रक्रिया में भी मदद मिलती है। ओ.पी. भवन, पुलिस बैरक और सुरक्षाबलों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। पुलिस अधीक्षक ने आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही और सुविधाओं के उन्नयन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए बेहतर कार्य वातावरण और मूलभूत सुविधाएँ सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है।

ओ.पी. में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारियों और जवानों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना गया। पुलिस अधीक्षक ने उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया और उनका समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करने की सलाह दी। निरीक्षण के समापन पर पुलिस अधीक्षक ने पुलिसकर्मियों को और बेहतर बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को अपने कार्य में निरंतर सुधार लाने और आम जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने पुलिसकर्मियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग और सक्रिय रहने की सलाह दी।

संपादकीय

काम में तल्लीनता

एक साधक से पूछा गया-आप साधना करते हैं? उसने कहा, जब भूख लगती है, तब खा लेता हूं और जब नींद आती है, तब सो जाता हूं। यही है मेरी साधना। उसने कहा, बड़ी सीधी बात है। यह तो मैं भी कर सकता हूं। साधक से कहा, अच्छा आओ, भोजन करें। दोनों भोजन करने बैठे। भोजन पूरा हुआ। साधक ने पूछा, भोजन कर लिया? हां, कर लिया।

क्या खाया- रोटी, शाक, चावल और मिठाई। केवल भोजन ही किया या कुछ स्मृति और कल्पना भी की? भोजन करते-करते अनेक स्मृतियां सामने आ गई। मीठी-मीठी कल्पनाएं भी कीं। भोजन यंत्रवत् चलता रहा और मैं उन स्मृतियों और कल्पनाओं में डूबता रहा। परोसी हुई थाली खाली हो गई। हाथ धोकर उठ खड़ा हुआ। साधक ने कहा, भाई! तुमने भोजन कहां किया? भोजन कहां खाया? तुमने तो स्मृतियां खाई हैं, कल्पनाएं खाई हैं, विचार खाया है, रोटी और मिठाई कहां खाई केवल रोटी और मिठाई खाना बहुत कठिन होता है। आदमी विचार खाता है, कल्पना खाता है। आयुर्वेद का एक सूत्र है, तन्मना भुजीत-भोजन करते समय इसी बात का ध्यान रहे कि मैं भोजन कर रहा हूं। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से कही हुई बात है, किन्तु साधना की दृष्टि से यह और अधिक महत्वपूर्ण बन जाती है। साधक जो काम करे वह उसी में तन्मय बन जाए अन्यथा व्यक्तित्व खण्डित हो जाता है। डुयल पर्सनेलिटी खतरनाक होती है।

जेनेरिक दवाएं लिखने के कानूनी आदेश का उजाला

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को मरीजों के लिए जेनेरिक दवाइयां लिखने एवं किसी विशेष कंपनी की दवाइयां न लिखने की नसीहत देकर न केवल गरीब मरीजों को राहत पहुंचाई है बल्कि चिकित्सा क्षेत्र में व्याप्त मनमानी, मूल्यहीनता, रिश्वत एवं अनैतिकता पर अंकुश लगाने की दिशा में सराहनीय एवं प्रासंगिक पहल की है। सुप्रीम कोर्ट से पहले राजस्थान उच्च न्यायालय ने भी ऐसा ही फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की पीठ संदीप मेहता, विक्रम नाथ और संजय करोल ने दवा कंपनियों से जुड़ी याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है। इस याचिका में दवा कंपनियों पर मनमानी एवं रिश्वतखोरी का आरोप लगाया गया था। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर पूरे देश में इस फैसले का पालन हो, तो इससे अहम सुधार हो सकता है। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा-डॉक्टरों पर अक्सर दवा कंपनियों से रिश्वत लेने का आरोप लगता है। ऐसे में अगर डॉक्टर जेनेरिक दवाएं लिखेंगे, तो उनपर लगने वाले इल्जाम का मुद्दा भी हल हो जाएगा। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक दवाओं का लाभ मिल सकेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जेनेरिक दवाइयों को जनव्यापी बनाने की दिशा में सार्थक पहल की है। पूरी दुनिया में जेनेरिक दवाइयों को ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए व्यापक स्तर पर काम हो रहा है, लेकिन दवा माफिया इसमें बाधाएं खड़ी कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता से दवा कंपनियों व चिकित्सकों के अपवित्र गठबंधन को तोड़ा जा सकता है, जो बड़ी आबादी की एक बड़ी समस्या का सटीक समाधान होगा। निश्चित ही डॉक्टर अगर सिर्फ जेनेरिक दवाएं लिखें तो दवा कंपनियों की रिश्वतखोरी बंद हो सकती है। शीर्ष अदालत उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें फार्मास्युटिकल मार्केटिंग की समान संहिता पर कानून बनने तक दवा कंपनियों की अनैतिक विपणन प्रथाओं को नियंत्रित करने के दिशा-निर्देश की मांग की गई थी। भारत में किफायती जेनेरिक दवाओं का उत्पादन एवं प्रचलन एक जीवन रेखा है, लेकिन इसके गुणवत्ता के आश्वासन को मजबूत करने के साथ डाक्टरों की मनमानी पर नियंत्रण करना होगा, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय की पहल एक रोशनी बनेगा। आज जबकि देश में लाइफ़स्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज एवं महंगी दवाइयां बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये जेनेरिक दवाओं पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इज़ाफ़ा हुआ है। मोदी सरकार ने जेनेरिक दवाओं को ज्यादा स्वीकार्य बनाने एवं सर्वसुलभ कराकर एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात किया है। जेनेरिक दवाएं, जो ब्रांडेड दवाओं का सस्ता विकल्प होती हैं, वही सक्रिय तत्व (एक्टिव इंग्रेडिएंट) रखती हैं और उतनी ही प्रभावी होती हैं। फिर भी, इनका उपयोग भारत में अपेक्षाकृत कम है, क्योंकि डॉक्टरों पर कोई बाध्यकारी कानून नहीं है। हालांकि, भारतीय मेडिकल काउंसिल ने डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, लेकिन ये बाध्यकारी नहीं, एक स्वैच्छिक संहिता है, जिसका पालन डाक्टर अपनी मर्जी से करते हैं। कोर्ट ने दवा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर तत्काल रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की आवश्यकता पर बल दिया। कोर्ट की यह टिप्पणी स्वास्थ्य क्षेत्र की दिशा में एक अहम कदम हो सकता है। यहीं नहीं, आम जनता को सस्ती और सुलभ दवाओं का भी मार्ग प्रशस्त हो सकता है। भारत में दवा उद्योग एक विशाल और जटिल क्षेत्र है, जहां दवा कंपनियां अक्सर अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए अनैतिक तरीकों का सहारा लेती हैं। ये कंपनियां डॉक्टरों को मुफ्त उपहार, विदेश यात्राएं, महंगे रात्रिभोज और अन्य प्रलोभन देकर अपनी ब्रांडेड दवाओं को प्रचारित करने के लिए प्रेरित करती हैं। नतीजतन, डॉक्टर कई बार मरीजों को ऐसी दवाएं लिखते हैं, जो न केवल महंगी होती हैं, बल्कि कई बार अनावश्यक भी होती हैं। इसका सीधा असर मरीजों की जेब और स्वास्थ्य पर पड़ता है। सस्ती जेनेरिक दवाओं के प्रचलन को बाधिक करने की रणनीति एक वैश्विक समस्या है। भारत में जेनेरिक दवाओं की शुरूआत मोदी सरकार ने की। वैसे 2004 और 2013 के बीच अमेरिकी स्वास्थ्य प्रणाली को इससे लगभग 1.5 ट्रिलियन डॉलर की बचत हुई है। जेनेरिक कैंसर जैसी अनेक असाध्य बीमारियों की दवाओं की समय पर उपलब्धता ने ऐसे कई रोगियों की सामर्थ्य को बढ़ा दिया है। जबकि इसके विपरीत अनेक परिजनों के गंभीर व असाध्य रोगों की महंगी दवाओं एवं इलाज की वजह से लाखों लोग गरीबी की दलदल में डूब गए। कोरोना संकट के दौरान भी लोगों द्वारा घर, जमीन व जेवर बेचकर अपनों की जान बचाने की कोशिश की खबरें मीडिया में तैरती रही। लेकिन सामान्य दिनों में दवा कंपनियों की मिलीभगत व दबाव में लिखी जाने वाली महंगी दवाइयां भी गरीबों के लिये बड़ी समस्या बनती रही हैं। इसके बावजूद कि बाजार में उसी साल्ट वाली गुणवत्ता की जेनेरिक दवा सहज उपलब्ध है। कुछ समय पहले केंद्र सरकार की ओर से जेनेरिक दवाइयां लिखने की अनिवार्यता के निर्देश का अच्छा-खासा विरोध हुआ, जिसके चलते निर्णय वापस लेना पड़ा था। अब इसी चिंता को देश की शीर्ष अदालत ने अभिव्यक्त किया है, जो गरीबों को सस्ती दवाओं से इलाज का रास्ता सुगम बना देगी। जिससे गरीबों के जीवन में एक स्वास्थ्य उजाला होगा। विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि दवा-कम्पनियां तरह-तरह के प्रलोभन व परोक्ष-अपरोक्ष लाभ देकर चिकित्सकों पर महंगी दवा लिखने का दबाव बनाती हैं, मानो सारे नैतिक मूल्यों को ताक पर रखकर धनार्जन ही एकमात्र कर्म रह गया है। जिसकी कीमत उन लोगों को चुकानी पड़ती है, जो महंगी दवा खरीदने में सक्षम नहीं होते। ऐसे में वे कर्ज लेकर या अपने रिश्तेदारों से मदद लेकर किसी तरह गंभीर रोगों से ग्रस्त मरीजों का इलाज कराते हैं। इस खर्च के दबाव के चलते परिजनों को भी तमाम कष्ट उठाने पड़ते हैं। गाहे-बगाहे सरकारों ने दवा कंपनियों की बेलगाम मुनाफाखोरी रोकने को कदम उठाने की घोषणाएं तो कीं, लेकिन दवा माफिया के दबाव में समस्या का सार्थक समाधान नहीं निकल पाया। डॉक्टरों की तरफ से भी यदि इस दिशा में सहयोग मिलने लगे तो इस समस्या का समाधान किसी सीमा तक संभव हो सकता है। लेकिन विडंबना है कि ऐसा हो नहीं पा रहा है। एक संकट यह भी है कि दवा कंपनियों द्वारा प्रचार किया जाता है कि जेनेरिक दवाइयां रोग के उपचार में पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं होती, यह बात आम जनता में गहरे से बिठायी हुई है। दवा कंपनियों की अनैतिक प्रथाएं केवल आर्थिक शोषण तक सीमित नहीं हैं, ये मरीजों के स्वास्थ्य और जान को भी खतरे में डालती हैं। महंगी दवाओं के प्रचार के कारण कई बार गरीब मरीज इलाज से वंचित रह जाते हैं। यदि जेनेरिक दवाओं को अनिवार्य किया जाए, तो न केवल दवाओं की कीमतें कम होंगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाएं भी अधिक समावेशी और सुलभ बनेंगी। निस्संदेह, सरकारों को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा कि जेनेरिक दवाइयों को प्रोत्साहन देने के उसके प्रयास क्यों सिरे नहीं चढ़ते। एक वजह यह भी है कि दवा कंपनियों की लॉबी खासी ताकतवर होती है और साम-दाम-दंड-भेद की नीति का उपयोग करके अपने उत्पादों का विपणन करने में सफल हो जाती है। निस्संदेह, लंबे उपचार व असाध्य रोगों के इलाज में दवाओं की कीमत एक प्रमुख घटक होता है। यदि दवा नियंत्रित दामों में मिल सके तो उनकी बड़ी चिंता खत्म हो सकती है। निस्संदेह, दवाओं की कीमत हमारी चिकित्सा सेवाओं के लिये एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। सरकार को चाहिए कि गांव से लेकर शहरों तक जेनेरिक दवाओं के मेडिकल स्टोर बड़ी संख्या में खोले जाएं। गरीब-अनपढ़ मरीजों को जागरूक करके जेनेरिक दवाइयों के उपयोग को प्रोत्साहित करना होगा।

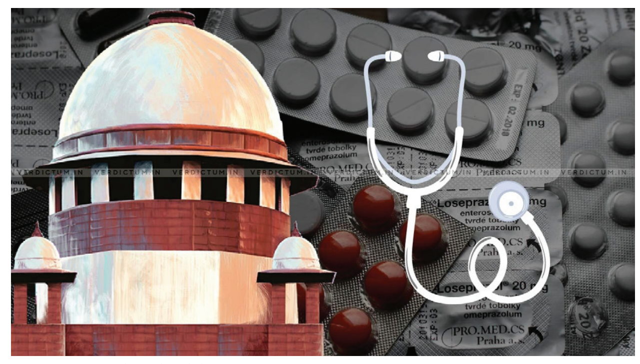

मनुष्य का दिमाग ही सब कुछ है, जो वह सोचता है वही वह बनता है।

- गौतम बुद्ध

लोहा गरम भले ही हो जाए पर हथौड़ा तो ठंडा रह कर ही काम कर सकता है।

- सरदार पटेल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्व शुक्रोदय पूर्व तिथि त्रियोदशी, शनिवासरे, चित्रा नक्षत्रे, सिद्धयोग, तैतिल करणे, तुला की चंद्रमा, सर्वार्थ सिद्ध योग, रवियोग गृहारंभ गृह प्रवेश तथापि सुबह दक्षिण दिशा की यात्रा दोपहर बाद पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्यमी, उत्तम वृत्तिवाला, जिद्दीहठी, स्वाभिमानी, पुलिस प्रशासक, मिलेट्री मैन, सैनिक, सिपाही, कर्नल, ब्रिगेडियर, कमान्डर, दस्ता नायक, सेना नायक, दानीमानी, वक्ता होगा।

मेष राशि :- सामाजिक कार्यों में प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि, कार्य कुशलता से संतोष होगा।
वृष राशि :- व्यर्थ थकावट, बेचैनी, मानसिक विभ्रम, धन का व्यय होगा, भ्रमणशीलता होगी।
मिथुन राशि :- विशेष कार्य स्थिगित रखें, सामाजिक कार्यों में प्रभुत्व वृद्धि होगी, कार्य करें।
कर्क राशि :- इष्ट मित्रों से सुख, समय ऐश्वर्य-विलास व उत्साह में बीतेगा तथा सुख होगा।
fसिंह राशि :- सामाजिक कार्यों में समय बीते, प्रतिष्ठा, समय पर सोचे कार्य पूर्ण होंगे, ध्यान दें।
कन्या राशि :- दूसरों के कार्यों में समय शांति नष्ट न करें, व्यावसायिक क्षमता में बाधा होगी।
तुला राशि :- अनायास विभ्रम, मानसिक बेचैनी, स्वभाव नरम-गरम रहेगा, हर्ष से कुशलता की संभावना।
वृश्चिक राशि :- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष, कुशलता से संतोष हो, तनाव व क्लेश से बचें।
धनु राशि :- तनाव व क्लेश, अशांति, मानसिक बेचैनी, उद्विघ्नता, कार्य-योजनाऐं बनी रहेंगी, व्यवसाय हो।
मकर राशि :- योजनाएँ फलीभूत हों, मित्रों से परेशानी, चिन्ता होगी, मानसिक विभ्रम हो सकता है।
कुंभ राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक हों, व्यवसाय गति अनुकूल, चिन्ता कम होगी।
मीन राशि :- किसी अपने का कार्य बनाने से संतोष, दैनिक अनुकूलता बनी रहेगी, ध्यान दें।

विद्यार्थियों को इससे अच्छी यूनिवर्सिटी और कहां मिलेगी ....

चैतन्य भट्ट

हर विद्यार्थी की यही इच्छा होती है कि उसे कम से कम पढ़ाई करना पड़े और अच्छे नंबर मिल जाएं । जो भी विद्यार्थी ये चाहते हैं उनके लिए जबलपुर की रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी सबसे ज्यादा मुफीद साबित होगी क्योंकि ये महान यूनिवर्सिटी है जो कम नंबर तो छोड़ो बिना परीक्षा आयोजित किए ही उसका रिजल्ट खोल देती है इतना ही नहीं छात्र-छात्राओं ने जिन विषयों की परीक्षा ही नहीं दी उनके अंक भी मार्कशीट में दे देती है। पता चला है कि साठ से अधिक छात्रों को वोकेशनल विषय के तहत ई-कॉमर्स की जगह ऑर्गेनिक फार्मिंग में अंक दे दिए गए जबकि उनके एडमिट कार्ड और उत्तर पुस्तिकाओं में स्पष्ट रूप से ई-कॉमर्स विषय दर्ज था, अब आप सोचो कि इससे ज्यादा विद्यार्थियों की चिंता कौन कर सकता है कि आप परीक्षा भी मत दो और परिणाम भी ले लो ऐसा कमाल सिर्फ रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में ही संभव है इसलिए अपनी तमाम छात्र छात्राओं से एक ही अपील है कि वे रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में एडमिशन ले ले और बिना परीक्षा दिए मार्कशीट और परिणाम लेकर निकल जाएं। एक कमाल और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में हो रहा है विश्वविद्यालय के कुलगुरु के खिलाफ एक महिला ने आरोप लगाएं लेकिन उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ पा रहा जांच पर जांच हो रही है लेकिन वे बाकायदा कुलगुरु बने हुए हैं, अब जब जांच का रिजल्ट आएगा तब पता लगेगा कि कुल गुरु वास्तव में दोषी है या नहीं लेकिन एक महिला द्वारा लगाए गए आरोपों के बावजूद अगर वे अपने पद पर काबिज है इससे आप अंदाजा लगा लो कि रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी में कुछ भी संभव है। किसी भी छात्र-छात्रा के लिए इससे ज्यादा बेहतर यूनिवर्सिटी भारत के किसी भी कोने में नहीं हो सकती जो बिना परीक्षा आयोजित किए ही उसका रिजल्ट खोल दे, अपने को तो समझ में नहीं आता की ऐसे कौन से जांच करता होंगे जिन्होंने बिना परीक्षा के रिजल्ट बना दिया और जारी भी कर दिया ,अब सफाई दी जा रही है की भाई कंप्यूटर के कारण ये सब लफड़ा हो गया है यानी सारा दोष बेजुबान कंप्यूटर के सिर पर डाल दो ,अरे भाई जब किसी जांच करता ने नंबर दिए होंगे वही नंबर तो कंप्यूटर में फीड हुए होंगे और उसी के आधार पर रिजल्ट बना होगा क्या कंप्यूटर खुद ब खुद छात्र-छात्राओं के अंक डालकर रिजल्ट घोषित कर सकता है और अगर ऐसा है तो ये वास्तव में शोध का विषय है और इस पर अगर कोई शोध करेगा तो उसे बड़े आराम से पीएचडी अवार्ड हो जाएगी । अपने को तो इस बात का बड़ा रंज है कि अपन ने कई बरस पहले क्यों परीक्षा दी, क्यों इतनी पढ़ाई करी और उसके बाद भी नंबर कम आए, आज की तारीख में यदि छात्र होते तो बेहतरीन बिना परीक्षा दिए मार्कशीट लेकर आज कहां से कहां पहुंच जाते लेकिन क्या करें अपनी अपनी किस्मत है ,अब जिनकी किस्मत में आज की तारीख में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय का छात्र-छात्रा होना लिखा होगा उनको ही ये फायदा मिलेगा । अपना तो मानना ये है कि बेवजह में काहे को परीक्षा आयोजित करते हो, विद्यार्थी भी परेशान होते हैं यूनिवर्सिटी को भी भारी व्यवस्था करना पड़ती है जब एक बार बिना परीक्षा आयोजित किए ही परिणाम घोषित कर दिए गए तो इसी को कंटिन्यू कर दो इसी में विद्यार्थियों का और यूनिवर्सिटी दोनों का ही फायदा है ।

बाबुओं का जलवा- शायद ही ऐसा कोई आदमी होगा जो सरकारी दफ्तर में गया हो और बाबू ने उसका काम बड़ी आसानी से कर दिया होगा और अगर कोई ऐसा व्यक्ति होगा तो वो दुनिया का सबसे भाग्यशाली व्यक्ति होगा क्योंकि जब प्रदेश के मुखिया डॉक्टर मोहन यादव ये कह सकते हैं कि सरकारी दफ्तर में बाबुओं के चक्कर लगा लगा के चप्पल घिस जाती है तो आप इससे अंदाजा लगा लो कि आम आदमी की क्या हालत होती होगी। वैसे डॉक्टर साहब ने कोई गलत बात तो कहीं नहीं किसी भी सरकारी दफ्तर में आप अपना काम करवाने चले जाओ । आवेदन दे दो और फिर बाबू के चक्कर लगाना शुरू कर दो आपकी अफसर से लाख पहचान हो वो भले ही आपका लंगोटिया यार हो लेकिन जब तक बाबू आपका आवेदन ऊपर तक नहीं पहुंचाएगा आपका सारा जुगाड़ फेल है । बाबू आज की तारीख में सबसे ज्यादा ताकतवर होता है प्रदेश के मुखिया ने कहा कि जब वे वकालत करते थे तब उन्हें बात का एहसास हुआ था कि सरकारी दफ्तर के बाबुओं के चक्कर में जो फंस गया उसकी लाई लुटने में देर नहीं लगती क्योंकि वो ऐसे ऐसे पेंच फंसाता है जिसका कोई अंत नहीं होता।

दो टूक- ऑपरेशन सिंदूरः आतंक के अड्डों पर भारत का 'सिंदूरी' कहर

योगेश कुमार गोयल

'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये भारत ने साबित कर दिया है कि वह अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं बल्कि आतंक के स्त्रोतों पर निर्णायक और सर्जिकल प्रहार करने वाला राष्ट्र बन चुका है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जिस तरह भारत ने सीमा पार स्थित आतंकी ठिकानों पर निशाना साधते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, उसने न केवल पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाई बल्कि भारत की नई सैन्य नीति को भी स्पष्ट कर दिया कि अब हम चुप नहीं बैठेंगे बल्कि हम आतंक के जन्मस्थल तक जाएंगे और वहां आग लगाएंगे। यह ऑपरेशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, यह उस बदले हुए भारत की घोषणा थी, जो अब बातों से नहीं, बमों से जवाब देता है, जो कूटनीति की किताब बंद करके अब अपने लड़ाकू विमानों और मिसाइलों की बोली में संवाद करता है। भारतीय वायुसेना ने जब पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर आतंकियों के अड्डों पर सर्जिकल स्ट्राइक की तो यह महज जवाबी हमला नहीं था, यह स्पष्ट संदेश था कि भारत अब किसी आतंकी की मांद को भी सुरक्षित नहीं छोड़ेगा, चाहे वह सरहद के इस पार हो या उस पार। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य स्पष्ट था, उन स्थानों को ध्वस्त करना, जहां से भारत में आतंक का बीज बोया जाता है। पहलगाम हमला, जिसमें हमारे निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया, उसकी साजिश कहीं और नहीं, पाकिस्तान की फौज, आईएसआई और लश्कर-ए-तैयबा जैसों की सांठगांठ से ही तैयार की गई थी। भारत ने न केवल इस साजिश को समझा बल्कि उसे जड़ से उखाड़ने की भी ठान ली है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने जिस साहस, रणनीति और सटीकता का परिचय दिया, वह दुनिया के किसी भी शीर्ष सैन्य बल को चुनौती देने के लिए पर्याप्त है। पाकिस्तान हमेशा से ही दोहरी भूमिका निभाता रहा है, एक ओर वह अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शांति और वार्ता की बात करता है तो दूसरी ओर अपने क्षेत्र को आतंकियों के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में प्रयोग करता है। भारत ने अब उस नकाब को पूरी तरह नोच फेंका है। ऑपरेशन सिंदूर ने बता दिया कि भारत अब उन भाषणों या प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं होगा, जो संयुक्त राष्ट्र में दिए जाते हैं बल्कि उन बंकरों को नेस्तनाबूद करेगा, जहां से ये षड्यंत्र जन्म लेते हैं। भारत द्वारा यह कार्रवाई अचानक नहीं की गई बल्कि पहले खुफिया एजेंसियों के माध्यम से आतंकियों की गतिविधियों की पूरी जानकारी जुटाई गई। सैटेलाइट इमेजिंग, मानव खुफिया नेटवर्क और तकनीकी निगरानी के जरिये भारत को यह स्पष्ट हो गया था कि पाक अधिकृत कश्मीर में कुछ स्थान आतंकियों के लांच पैड के रूप में कार्य कर रहे हैं। यह भी सामने आया कि हालिया पहलगाम हमले की योजना भी यहीं से बनाई गई थी। भारत की यह नीति अब 'हिट ऐंड होल्ड' की है कि हमला करो, कब्जा करो और दबाव बनाए रखो। इस ऑपरेशन में सबसे प्रभावशाली बात यह रही कि भारतीय लड़ाकू विमानों ने रात के अंधेरे में बेहद सटीकता से अपने लक्ष्य साधे और सीमित समय में वहां से निकल आए। यह 'नो वॉर्निंग, नो वॉर' रणनीति का आदर्श उदाहरण था। पाकिस्तान के वायु रक्षा तंत्र को भनक तक नहीं लगी और जब तक वहां के सैन्य प्रतिष्ठान कुछ समझ पाते, तब तक भारत अपना काम करके वापस लौट चुका था। इस ऑपरेशन में केवल आतंकी ठिकानों को ही नहीं, उन ठिकानों को भी निशाना बनाया गया, जहां से उन्हें रसद, हथियार और प्रशिक्षण दिया जाता था। यह केवल आतंकियों के खिलाफ नहीं बल्कि आतंक को संरक्षण देने वाली पूरी पाकिस्तानी सैन्य और खुफिया संरचना के खिलाफ कार्रवाई थी। यही कारण है कि पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य गलियारों में इस ऑपरेशन के बाद सन्नाटा छा गया। हालांकि पाकिस्तान की प्रतिक्रिया पूर्वानुमेय थी, पहले इन्कार, फिर विक्टिम कार्ड खेलना और अंत में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से गुहार लगाना लेकिन अब वैश्विक परिदृश्य बदल चुका है। अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अन्य लोकतांत्रिक देश भारत के साथ खड़े हैं। आतंक के प्रति उनकी नीति अब स्पष्ट है कि जो आतंक को शरण देगा, वह खुद सुरक्षित नहीं रहेगा। इसीलिए, भारत द्वारा किए गए इस ऑपरेशन को विश्वभर में नैतिक समर्थन और वैधता प्राप्त हुई है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ऑपरेशन सिंदूर का सैन्य पक्ष जितना शक्तिशाली था, उतनी ही मजबूत उसकी कूटनीतिक तैयारी भी थी। भारत ने पहले ही अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के आतंक समर्थक चेहरे को उजागर कर दिया था। एफएटीएफ जैसे मंचों पर पाकिस्तान की असफलताएं जगजाहिर हैं। ऐसे में भारत का यह सैन्य कदम उस लंबे कूटनीतिक संघर्ष का परिणामी वार था, जिसे वर्षों से संजोया जा रहा था। ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी दिखा दिया कि भारत अब केवल एलओसी तक सीमित नहीं है। यदि आवश्यक हुआ तो भारत नियंत्रण रेखा पार करके भी अपने हितों की रक्षा कर सकता है। यह नीति पाकिस्तान के लिए स्पष्ट चेतावनी है कि यदि उसने अब भी अपने घर में पल रहे आतंकी सांपों को दूध पिलाना बंद नहीं किया तो अगली बार भारत उनके बिलों तक पहुंचेगा और उन्हें वहीं खत्म करेगा। यह भी उल्लेखनीय है कि भारत की सैन्य क्षमता अब केवल परंपरागत युद्धों तक सीमित नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर में जिन हथियारों और तकनीकों का उपयोग किया गया, उनमें राफेल जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, ड्रोन निगरानी, रियल टाइम सैटेलाइट डेटा और बंकर भेदी बम शामिल थे। यह सब कुछ दर्शाता है कि भारत अब एक आधुनिक, आक्रामक और निर्णायक सैन्य शक्ति बन चुका है। पाकिस्तान की अब तक की रणनीति यही रही है कि वह भारत के धैर्य की परीक्षा लेता रहे और भारत केवल विरोध या चेतावनी तक सीमित रहे लेकिन अब वह दौर समाप्त हो गया है। भारत ने बता दिया है कि वह न केवल जवाब देगा बल्कि ऐसा जवाब देगा, जो 'आतंकिस्तान' को अगली साजिश रचने से पहले सौ बार सोचने पर विवश करेगा। आतंक को बढ़ावा देना अब पाकिस्तान के लिए केवल एक रणनीति नहीं, आत्मघाती कदम बन चुका है। भारत ने साबित कर दिया है कि अब न केवल सीमा की सुरक्षा करेगा बल्कि आवश्यकता पड़ी तो आतंकी नेटवर्क की जड़ों तक जाकर प्रहार करेगा। यह केवल सैन्य नीति नहीं बल्कि नई भारतीय आत्मा की आवाज है, जो शांति तो चाहती है लेकिन डरती नहीं, जो प्रेम में तो विश्वास करती है लेकिन पराजय में नहीं।

सूडोकु नवताल- 7426

★☆☆☆☆ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7425 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

भारत की एकता ही देश की शक्ति है

संजय गोस्वामी

पाकिस्तान के प्रोपेगेंडा एजेंट्स ने अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस (SFJ) के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू का एक वीडियो भी प्रसारित किया, जिसमें उसने सिखों को कहा है यदि भारत और पाकिस्तान के साथ युद्ध होता है तो सिख साथ ना दें भारत गुरू तेग बहादुर को हिन्द का चादर कहती है और गोविन्द सिंह को पूजती है क्योंकि उन्होंने इस्लाम धर्म को स्वीकार करने से मना कर दिया पहले मुग़ल काल में हिन्दू को ही बहुत तेजी से मुस्लिम धर्म में धर्मान्तरण करा रहा था तभी एक ॐ कार सतनाम का अलख लेकर गुरूनानक देव जी धर्म की रक्षा के लिए आए और कट्टरवादी और हिंसा को फैलने से रोका उसके बाद सबों गुरू ने उनके मार्गदर्शन पर चले उस समय हिन्दू ही जो अलग अलग जाति में बंटकर डर से इस्लाम धर्म में धर्मान्तरण हो रहा था उन्ही को एक जुट किया और सवको बताया ईश्वर एक है अतः जो कट्टरवादी सोच से अपने को इस्लाम में परिवर्तन कर रहें वो ना करें ऐसा माना जाता है कि वो राम भक्त थे इसलिए गुरूग्रन्थ साहिब में भगवान राम का नाम कई बार आता है गुरु गोविन्द सिंह कहते हैं सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं ये वाक्य गुरु गोबिंद सिंह जी के साहस और वीरता को दर्शाता है। इसका अर्थ है कि अगर मैं सवा लाख लोगों से अकेला भी लड़ूं, तो भी मैं बाज को चिड़ियों से भी श्रेष्ठ बना दूंगा, तभी मेरा नाम गुरु गोबिंद सिंह कहलाएगा। यह वाक्य सिख धर्म में वीरता और बलिदान की भावना को दर्शाता है। यह वाक्य गुरु गोबिंद सिंह जी की वीरता और साहस को दर्शाने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह दर्शाता है कि अगर कोई व्यक्ति लक्ष्य निर्धारित कर ले, तो वह कितना भी कठिन क्यों न हो, उसे प्राप्त करके रहता है। यह वाक्य भारत की वीर परंपरा का प्रतीक भी है। दो अतः सारा हिदुस्तान ही गुरू के आदर्श च उनकी महानता पर गर्व करता है जो कहा है गुरू गोविन्द सिंह जी ने कहा है सुरा सो पहचानिए, जो लड़े दीन के हेत पुर्जा पुर्जा कट मरे, कभौ न छड्डे ख़ेत यानि बहादुर वही है जो गरीबों के लिए लड़ता है । चाहे वह टुकड़े-टुकड़े हो जाए, चाहे मारा जाए, लेकिन खेत नहीं छोड़ना चाहिए। यानी देश और धर्म दो ऐसी चीज है जो जान से बढकर है उसके लिए यदि प्राण भी देना पड़े तो दे भारत ने पाकिस्तान को करारा जबाब दे दिया और आतंकवादी का चेहरा भी सबके सामने दिखा दिया अतः किसी भी धर्म की आड़ में आतंक फ़ैलना उस धर्म की प्रति लोगों में नफरत होने लगती है जबकी स्थिति उसकी उल्टी है मानवता और भाईचारा सभी धर्मों का सार है पहले अच्छा इंसान बनने की कोशिश करें और किसी के बहकावे में ना आएं क्योंकि वो आपका गुरु नहीं है गुरू हमेशा हमें अहिंसा और मानवता का संदेश देता है भारत के सैन्य कार्यवाही से देश अब धर्म की आड़ में भटकने वाला नहीं है आतंकवादी का क़ोई धर्म नहीं है वो आपका उस धर्म को भी बदनाम करता जिसने उसे जीने की सच्ची राह दिखलाई है और आतंकवादी का अंत भी बुरा होता है भगवान या ईश्वर एक है जो न्यायकर्ता है : युद्ध में अपना फाइदा नफा नुकसान नहीं सोचना चाहिए देश सर्वोपरि है ऐ सोचिये की हमारे देश के वीर जवान देश के लिए शहीद होने के लिए तैयार हैं आगे जो आएगा वहीं भारत माता का असली सपूत होगा :भारत शांति प्रिय देश रहा है लेकिन भगवान श्री राम ने भी अन्याय के खिलाफ युद्ध किया अतः युद्ध हमारे लिए देश की प्रतिष्ठा का सवाल है। देश के लिए जीना देश के लिए मरना यही भगवान राम का आदर्श है।जो ना तो किसी धर्म से बंधे थे राम नाम सत्य हैं क्योंकि हमेशा उन्होंने सत मार्ग का जो रास्ता दिखाया है वो हमेशा प्रेरणा दायक रहा है और आतंकवादी के गढ़ में घुस कर भारत के जवानों ने जो हिम्मत दिखाया है उस वीर सेनानी को नमन भारत माता की जय प्रभु राम के सम्मान की जय और 140करोड़ हिंदुस्तान के देशवासियों के देश के प्रति एकजुट होने को सलाम जय हिन्द। जय हिन्द की सेना भारत की एकता ही सबसे बड़ी शक्ति है चाहे वो किसी भी धर्म का हो इंसान है और भारत से प्रेम है.

संक्षिप्त समाचार

सरना धर्म कोड को लेकर प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन को जेएमएम ने किया स्थगित

रांची, एजेंसी। झामुमो ने सरना धर्म कोड की मांग को लेकर कल यानी शुक्रवार प्रस्तावित राज्यव्यापी धरना प्रदर्शन को स्थगित करने की घोषणा की है. पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने आज प्रदेश कैंप कार्यालय में प्रेस वार्ता कर कल के कार्यक्रम को स्थगित करने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि यह समय भारतीय सेना के अदम्य साहस का हौसला बढ़ाने का है. विनोद पांडेय ने कहा कि अलग सरना धर्म कोड की मांग भी बहुत महत्वपूर्ण और बड़ी मांग है लेकिन अब इस मांग को लेकर धरना प्रदर्शन करने का समय नहीं है, बल्कि हमारी सेना द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन करने का समय है. इसलिए झामुमो ने कल के धरना प्रदर्शन को स्थगित करने का निर्णय लिया है. ऑपरेशन सिंदूर और सीमा पर उत्पन्न स्थिति को देखते हुए झामुमो ने यह निर्णय लिया है और झामुमो पूरी तरह से देश की सेना के साथ है। प्रेस वार्ता के दौरान मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि देश की जनता सब देख रही है और अभी किसी टिप्पणी का समय नहीं है. राज्य में जनगणना के साथ आदिवासियों के लिए अलग सरना धर्म कोड की मांग को पूरा करने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा ने 09 मई को राज्यव्यापी आंदोलन की घोषणा की थी और मांग पूरी नहीं होने पर राज्य में जाति जनगणना नहीं होने देने की चेतावनी दी थी।

साली के साथ चल रहा था प्रेम प्रसंग, भाई के साथ हुई शादी तो करवा दी हत्या

बोकारो, एजेंसी। पुलिस ने रिश्ते को कलंकित करने वाली एक घटना का उद्भेदन किया है. पिंड्राजोड़ा थाना इलाके में 5 मई को टोटो चालक धनंजय गुप्ता की चाकू गोद कर हत्या कर दी गई थी. धनंजय गुप्ता की हत्या उसके बड़े भाई अजय गुप्ता ने ही कराई थी. पुलिस ने इस मामले में बिहार आरा के रहने वाले रोहित यादव और पिंड्राजोड़ा थाना क्षेत्र के रहने वाले अभिषेक कुमार महतो को गिरफ्तार किया है. उनके पास से हत्या में इस्तेमाल चाकू और खून से सना आरोपियों का कपड़ा भी बरामद हुआ है। चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मृतक धनंजय गुप्ता के बड़े भाई अजय अजय गुप्ता की शादी सेक्टर 9 के रहने वाली लक्ष्मी कुमारी के साथ हुई थी. शादी के बाद अजय का प्रेम प्रसंग अपनी साली काजल के साथ चल रहा था. एसडीपीओ ने बताया कि एक वर्ष पूर्व धनंजय की शादी काजल के साथ हो गई, जिस कारण अजय गुस्से में था. इस बात को लेकर दोनों भाई में मारपीट भी हुई थी. इसका बदला लेने के लिए अजय ने करण राय को 1 लाख 40 हजार रुपये की सुपारी दी. इसके बाद करण, रोहित और अभिषेक ने टोटो चालक धनंजय को टोटो बुक करने के बहाने से बुलाया और वहां उसकी चाकू गोद कर हत्या कर दी।

गुमला में पेड़ से लटकी मिली युवक की लाश:11 मई को ? होनी थी शादी

गुमला, एजेंसी। गुमला में एक युवक का शव पेड़ से बने फंदे से लटका मिला। युवक की 11 मई को शादी होनी थी। घटना घाघरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ??देवाकी गांव की है। परिजनों के अनुसार, युवक इस शादी से खुश था। उन्होंने आत्महत्या की आशंका जाहिर की है पर वजह स्पष्ट नहीं है। मृतक की पहचान सूरज उरांव (22) के रूप में की गई। युवक के शव मिलने के बाद घर में विवाह की खुशियां मातम में बदल गई। शादी का कार्ड भी बंट चुका था। 11 मई को बारात जानी थी। घर में कई मेहमानों का आगमन हो चुका था। सूरज ने 7 मई को कोर्ट-पैंट, जूता, बंडी आदि की खरीदारी की थी। इधर, घटना की सूचना मिलते ही उसके घर पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। वहीं, सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।मृतक के पिता कृष्णा उरांव ने बताया कि सूरज ने 11वीं तक की पढ़ाई की थी। इसके बाद वह घर पर ही रहकर खेती का काम करता था। 11 मई को उसकी शादी तय थी। पिता ने कहा- विवाह को लेकर वह काफी खुश था। जिस लड़की से उसकी शादी होनी थी, वह उससे फोन पर बातचीत भी करता था। फिर ऐसी क्या वजह हुई कि उसने आत्महत्या कर ली।

जीएसटी घोटाले में ईडी का बड़ा ऐक्शन

800 करोड़ घोटाले में जमशेदपुर का कारोबारी गिरफ्तार

जमशेदपुर, एजेंसी। शेल कंपनियों के नाम पर जीएसटी इंट्री कर 800 करोड़ से अधिक के फर्जीवाड़े से जुड़े केस में ईडी ने ईसीआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। गुरुवार की सुबह एक साथ तीन जगहों रांची, जमशेदपुर और पश्चिम बंगाल के कोलकाता में कुछ नौ ठिकानों पर छापेमारी की। गुरुवार की देर शाम जमशेदपुर के एक कारोबारी अमित अग्रवाल उर्फ विक्की भालोटिया को ईडी ने पूछताछ के बाद उसके जुगसलाई स्थित घर से गिरफ्तार कर लिया।

पूर्व में भी इस मामले में 2023 में अमित अग्रवाल उर्फ विक्की भालोटिया की गिरफ्तारी हुई थी, फिलहाल वह जमानत पर था। ईडी की टीम उसे गिरफ्तार कर रांची ले आई है। रांची में कांके रोड में रहने वाले कारोबारी विवेक नरसरिया के इशान अपार्टमेंट स्थित फ्लैट नंबर 201, कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में कारोबारी शिव कुमार देवड़ा, अमित गुप्ता और सुमित गुप्ता के ठिकानों पर भी छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान ईडी ने डिजिटल डिवाइस, निवेश से जुड़े दस्तावेज समेत महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, ईडी ने जमशेदपुर

में विक्की भालोटिया के ठिकानों पर पहले तो छापेमारी की। देर शाम उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इसके बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

क्या है मामला

शिव कुमार देवड़ा, सुमित गुप्ता और अमित गुप्ता समेत आरोपियों पर लगभग 14,325 करोड़ के फर्जी चालान बनाने का आरोप है, जिसके परिणामस्वरूप 800 करोड़ से अधिक के अयोग्य दावे किए गए थे। इस तरह सरकार को राजस्व का भारी नुकसान उठाना पड़ा था। इस मामले में जीएसटी इंटेलीजेंस ने पूर्व में कार्रवाई की थी। तब जीएसटी अधिकारी दिनेश सिंह के बयान पर केस दर्ज कर शिव कुमार देवड़ा, सुमित गुप्ता व अमित गुप्ता को जेल भेज दिया गया था। सुमित व अमित गुप्ता जमशेदपुर के रहने वाले हैं। हालांकि अब सभी आरोपी जमानत पर बाहर हैं। ईडी अधिकारियों के मुताबिक, तलाशी का उद्देश्य धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत अपराध की आय से जुड़े दस्तावेजों और संपत्तियों को उजागर करना है। ईडी को इससे जुड़े साक्ष्य भी मिले हैं। जांच से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, 90 से अधिक शेल कंपनियों के जरिए जीएसटी चोरी को अंजाम दिया गया था।

कुएं से डीजल पंप निकालने गए दो युवकों की मौत

कोडरमा में डीजल रिसाव से बनी गैस की वजह से दम घुटने की आशंका

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के नवलशाही थाना क्षेत्र के पूर्णानगर गांव में गुरुवार रात एक दुखद घटना सामने आई। गुरुवार की रात कुएं में गिरे डीजल पंप को निकालने गए दो युवकों की मौत हो गई। कुएं में कमर तक पानी है। ऐसे में आशंका जाहिर की जा रही है कि डीजल रिसाव से बने गैस से दम घुटने से युवकों की मौत हुई है।

कुएं की गहराई है 35 फीट : मृतकों की पहचान बहादुर राणा (30) और सुरेंद्र साव (32) के रूप में हुई है। दोनों युवक खेत में सिंचाई के लिए इस्तेमाल होने वाले डीजल पंप को 35 फीट गहरे कुएं से निकालने गए थे। वहीं, इन्हें बाहर निकालने के दौरान कारू राणा बीमार हो गए, उनका इलाज चल रहा है।

लोग कुएं के पास पहुंचे तो दोनों युवक बेहोश मिले : रस्सी के सहारे कुएं में उतरने के बाद जब दोनों लंबे समय तक बाहर नहीं आए, तो आसपास के लोगों को चिंता हुई। जब लोग कुएं के पास पहुंचे तो दोनों युवक बेहोश मिले।

उन्हें बचाने के लिए 4 अन्य लोग कुएं में उतरे। लेकिन उन्होंने भी तुरंत बाहर निकालने का इशारा किया। बाहर आने के बाद उन्होंने बताया कि कुएं में कमर तक पानी है और डीजल रिसाव से गैस बन गई है, जिससे सांस लेने में दिक्कत हो रही है।

इधर, दोनों युवकों को 108 एंबुलेंस से सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके बचाव में गए कारू राणा का इलाज जारी है। नवलशाही पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना से मृतकों के परिवार में शोक की लहर है।

30 मई तक टाटा-बिलासपुर, टाटा-हटिया एक्सप्रेस अलग-अलग तिथि पर की गई रद्द

जमशेदपुर, एजेंसी। रांची रेल मंडल में विकास कार्य को लेकर टाटानगर से होकर चलने वाली 5 जोड़ी ट्रेनें रद्द रहेंगी। 30 मई तक अलग-अलग तिथि में इन ट्रेनों को रद्द किया गया है। ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। टाटानगर-बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस, हटिया-टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस, हटिया-टाटानगर-हटिया मेमू, इतवारी एक्सप्रेस और हावड़ा-टिटलागढ़ इस्पात एक्सप्रेस को रद्द किया गया है। इसके अलावा कई ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट भी किया जाएगा।

कुछ ट्रेनें परिवर्तित मार्ग पर चलेंगी। 18478 उत्कल एक्सप्रेस को 11, 13 और 16 मई को डायवर्ट कर चलाया जाएगा। जबकि 18477 उत्कल एक्सप्रेस को 16 मई को डायवर्ट कर चलाया जाएगा। 22861 हावड़ा-कंटाबांजी इस्पात एक्सप्रेस और 12872 टिटलागढ़-हावड़ा इस्पात एक्सप्रेस को 15 मई को शॉर्ट टर्मिनेट कर चलाया जाएगा।

इधर, टाटानगर से चलने वाली चार प्रमुख पैसेंजर ट्रेनों में अब मेमू (मेन लाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) रैक लगाए जाएंगे। यह बदलाव शुक्रवार से प्रभावी होगा। इससे इन ट्रेनों के नंबरों में बदलाव आएगा, वहीं परिचालन समय में भी आंशिक परिवर्तन होगा। दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने 9 मई से टाटानगर से चलने वाली 3 ट्रेनों का समय बदल दिया है।

टाटानगर से चलने वाली इन ट्रेनों के समय में बदलाव 15 मिनट से 20 मिनट तक का हुआ है। 68033 टाटानगर-गुआ मेमू ट्रेन अब 3.10 बजे टाटानगर से खुलेगी। पहले यह ट्रेन 3 बजे खुलती थी। 68085 टाटानगर-बरकाखाना मेमू ट्रेन दोपहर 3 बजे खुलेगी।

ऊर्जा विभाग : 105 पदों पर पोस्टिंग नहीं, विद्युत प्रमंडल जमशेदपुर-दुमका में शुरू नहीं हुआ काम

रांची, एजेंसी। ऊर्जा विभाग में 105 पदों पर 11 माह भी पोस्टिंग नहीं हो सकी है। विभाग में कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए उर्जा विभाग ने विधिवत रूप से पिछले साल नौ जुलाई को अधिसूचना जारी की थी। यहां तक कि 14 अक्टूबर 2024 को पुनः नई अधिसूचना जारी करके कार्यों का बंटवारा, ग्रेड और वेतन तक तय कर दिए गए। इतना ही नहीं झारखंड गठन के बाद पहली बार विभाग में अभियंता प्रमुख जैसे अहम पद का सृजन किया गया। इसके लिए कैबिनेट से मंजूरी भी ली गई, पर 11 महीने बीत जाने के बाद भी एक भी पद पर पोस्टिंग नहीं की गयी। अभी तक एक भी पद पर पोस्टिंग नहीं होने से विभाग पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

वर्तमान में ऊर्जा विभाग में केवल दो ही प्रमंडल रांची और धनबाद कार्यरत हैं। विभाग के विस्तार और पुनर्गठन के बाद इसे बढ़ाकर चार किया गया है। जमशेदपुर और दुमका नए प्रमंडल के रूप में जोड़े गए हैं। वहीं, विद्युत निरीक्षणालय का कार्यालय केवल एक रांची में है। इसे बढ़ाकर चार किया गया है। अब जमशेदपुर, धनबाद और दुमका में भी इसका कार्यालय होगा। लेकिन पोस्टिंग नहीं होने से नए विद्युत प्रमंडलों में काम शुरू नहीं हो पाया है।

ये कार्य मुख्य रूप से हो रहे प्रभावित

अभियंता प्रमुख का पद सचिव स्तर का होता है, जो विभाग के महत्वपूर्ण कार्यों के लिए एक करोड़ तक की निविदा का निस्तारण कर सकते हैं, मगर नहीं होने से यह सीधे विभाग के अपर मुख्य सचिव स्तर से किया जा रहा है। मुख्य अभियंता का पद भी विजय कुमार सिन्हा के आईएएस बन जाने के बाद फरवरी 2025 से रिक्त है। यानी की मुख्य अभियंता के भी कार्य एवं अहम संचिका लंबित पड़े हुए हैं। विभाग में स्थापना कार्य पूरी तरह से ठप पड़ा हुआ है।

मुख्य अभियंता एवं कार्यपालक अभियंता जैसे अहम पद रिक्त रहने से श्रावणी मेला जैसे अहम विषय पर नियुक्ति- प्रतिनियु?क्त और कार्यों का बंटवारा नहीं हो पा रहा है। जबकि देवघर प्रशासन के द्वारा इसके लिए विभाग को पत्र लिखा जा रहा है। कंपनियों का निरीक्षण करके विद्युत निरीक्षक कपंनियों बिजली कनेक्शन देने, राजस्व वसूली आदि का कार्य करते हैं, मगर काम भी ठप पड़ा है। प्रतिवर्ष विभाग के द्वारा कम से कम 10 करोड़ रुपए के राजस्व की वसूली विद्युत निरीक्षक करते थे, जो ठप पड़ा है।

इस तरह किया था कार्यों का बंटवारा

अभियंता प्रमुख : अभियंता प्रमुख, ऊर्जा विभाग का कार्य एवं शक्तियां झारखंड लोक निर्माण संहिता पीडब्लूडी कोड में निहित प्रावधानों एवं राज्य के अन्य कार्य विभागों के अनुरूप होगी।

मुख्य विद्युत निरीक्षक : विद्युत निरीक्षणालय एवं उससे संबंधित कार्यों के निरीक्षण एवं क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी होंगे। मुख्य विद्युत निरीक्षक विद्युत निरीक्षणालय के प्रमुख होंगे।

मुख्य विद्युत अभियंता : मुख्य विद्युत अभियंता का पद मुख्य विद्युत निरीक्षक के पद से अलग होने के बाद विद्युत कार्य विभाग के लिए निर्धारित रहेगा। ये विद्युत कार्य विभाग के संचालन एवं कार्यों के निर्वहन के लिए उत्तरदायी होंगे।

लोहरदगा में कांग्रेस नेताओं ने दिखाई राजनीतिक ताकत, कई जिलों के मजदूर हुए कार्यक्रम में शामिल

लोहरदगा, एजेंसी। जिले के किस्को प्रखंड के मिडिल स्कूल मैदान में गुरुवार को छोटानागपुर बॉक्साइट और कोल वर्कर्स यूनियन के महाधिवेशन का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में हजारों की संख्या में मजदूर पहुंचे हुए थे. इस मौके पर नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मंत्री इरफान अंसारी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, नमन विक्सल कोंगाड़ी, प्रदीप बालमुचू, सच्चिदानंद चौधरी, भूषण बाड़ा, राजेश कच्छप, रामेश्वर उरांव, रोहित प्रियदर्शी उरांव, अजय शाहदेव, संदीप गुप्ता आदि शामिल हुए।

धीरज प्रसाद साहू एक बार फिर बने महासचिव : इस महाधिवेशन में मजदूरों की एकजुटता और अधिकारों की हुंकार भरी गई. यह कार्यक्रम न सिर्फ मजदूर संगठन को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण था, बल्कि इसमें राजनीतिक ताकत भी प्रदर्शित की गई. छोटानागपुर बॉक्साइट एंड कोल वर्कर्स यूनियन के महाधिवेशन को लेकर कई मंत्री और विधायक भी पहुंचे. कार्यक्रम में हजारों की संख्या में मजदूरों की भीड़ रही. लोहरदगा के साथ गुमला और लातेहार से भी मजदूर पहुंचे थे. लोगों ने एक बार सर्वसम्मति से धीरज प्रसाद साहू को छोटानागपुर बॉक्साइट एंड कोल वर्कर्स यूनियन इंटक का महासचिव चुना।

मजदूरों को संगठित कर अधिकार दिलाने का संकल्प : लोहरदगा के किस्को स्कूल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री, विधायक, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सहित कई शामिल हुए. मजदूरों को संगठित कर उनका अधिकार दिलाने को लेकर संकल्प लिया गया. इसके अलावे कार्यक्रम में आतंकवादियों के खिलाफ भारतीय सेना के पराक्रम को लेकर बधाई दी गई. साथ ही सेना के साथ खड़े होने की बात कही गई. वहीं मंत्री और नेताओं की सुरक्षा में पुलिस प्रशासन की टीम पूरी तरह से मुस्तैद नजर आई।

शहरी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं संग राज्यस्तरीय परिचर्चा में शामिल हुए मंत्री सुदिव्य

हजारीबाग, एजेंसी। शहरी महिला स्वयं सहायता समूह के साथ झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने परिचर्चा में हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम राज्यस्तरीय था। मंत्री ने परिचर्चा में शामिल एसएचजी से जुड़ी महिलाओं को भरोसा दिलाया कि समूह के विकास के लिए मंत्रालय वचनबद्ध है।

परिचर्चा के दौरान महिलाओं ने कहा कि अंतर विभागीय समन्वय के कारण समूह को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मंत्री ने इस पर अधिकारियों से कहा कि प्रशासन अंतर विभागीय समस्या का समाधान करने के लिए तत्परता के साथ कदम उठाए और विभाग को अवगत कराएं, ताकि सरकार भी अपने स्तर पर समूह के विकास के लिए कदम उठा सकें। समूह के द्वारा बनाए जा रहे उत्पाद को बेहतर बाजार मिले इसे लेकर महिलाओं ने बात रखी। मंत्री ने कहा कि बेहतर मॉडल बाजार के लिए बने तो उस मॉडल को राज्य सरकार भी अपनाएगी। दीदी कपड़े का बेहतर थैला बना रही हैं। उस बैग को बाजार में उतारा जाए और बेहतर तरीके से मार्केटिंग की जाए तो महिलाएं भी सशक्त होंगी। सरकार ने प्लास्टिक पर बैन लगा दिया है। इस पर अमल किया जाए तो महिलाओं द्वारा बनाए गए कपड़े के थैले की खूब जोर-शोर से बिक्री होगी।

झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने भरोसा दिलाया कि उत्पादों के मार्केटिंग के लिए एक नया ब्रांड बहुत जल्द उतर जाएगा। जिस तरह से पलास ब्रांड के जरिए मार्केटिंग की जा रही है, उसी स्तर पर शहरी क्षेत्र की स्वयं सहायता समूह के लिए भी एक नया ब्रांड तैयार करने की तैयारी चल रही है। ऑनलाइन मार्केटिंग के जरिए उत्पाद मार्केट में उतारा जाएगा। महिलाओं को साप्ताहिक, मासिक या अन्य तरह का बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। मंत्री ने यह भी कहा कि महिलाएं बेहतर उत्पाद बना रही हैं, इसे लेकर अब कोई विवाद नहीं है ।जरूरत है कि बेहतर बाजार महिलाओं को उपलब्ध कराने की। उन्होंने कहा कि धरती का ऐसा कोई काम नहीं है जो महिलाएं नहीं कर सकती हैं।

हजारीबाग में नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि नगर निकाय की चुनाव को लेकर तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है। कोर्ट के दिशा निर्देश के अनुसार काम पूरा किया जा रहा है। जैसे ही आदेश निर्गत किया जाएगा, चुनाव करा लिया जाएगा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर में कहा कि हमारी सेना सिरमौर है। हर एक व्यक्ति को देश की संप्रभुता बनाए रखने में अपना योगदान देना चाहिए।

फुटपाथ दुकानदारों की समस्या पर मंत्री ने कहा कि नगर निगम के पास सेवा सीमित है। फुटपाथ दुकानदारों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। कुछ फुटपाथ दुकानदारों को बसाने का काम किया जाता है और जैसे वो अपना व्यापार शुरू करते हैं तो दूसरी ओर नए फुटपाथ दुकानदार तैयार हो जाते हैं। समग्र सोच विकसित करने की जरूरत है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में झारखंड बालिका साइकिलिंग टीम का उम्दा प्रदर्शन, स्वर्ण पदक के साथ जीता खिताब

रांची, एजेंसी। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में चौथे दिन साइकिलिंग स्पर्धा में झारखंड साइकिलिंग टीम ने एक स्वर्ण, एक रजत पदक जीता। इस प्रकार साइकिलिंग स्पर्धा में झारखंड को कुल 6 पदक मिले। वहीं, झारखंड की झोली में अब तक 4 स्वर्ण, 3 रजत, 3 कांस्य पदक आया है। बताते चलें कि इस प्रतियोगिता की विभिन्न प्रतिस्पर्धा में झारखंड की टीम हिस्सा ले रही है और लगातार अपना उम्दा प्रदर्शन दे रही है।

साइकिलिंग में झारखंड बालिका टीम विजेता एवं बालक टीम बनी उपविजेता

साइकिलिंग में सबीना कुमारी ने केयरिंन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

वहीं, बालक वर्ग में केयरिंन स्पर्धा में विकास उरांव ने रजत पदक जीता। फुटबॉल प्रतिस्पर्धा में भी झारखंड की टीम बेहतर प्रदर्शन कर रही है। झारखंड की बालक फुटबॉल टीम ने लीग मैच में बिहार को 4-1 से पराजित किया। जबकि बालिका फुटबॉल टीम ने बिहार को चार एक से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। हॉकी प्रतिस्पर्धा में भी झारखंड की टीम हिस्सा ले रही है। हालांकि खेलो इंडिया का यह टूर्नामेंट राजगीर में चल रहा है। लीग मैच में बालिका हॉकी में ओडिशा के साथ प्रतिस्पर्धा किया। यह प्रतिस्पर्धा 0-0 की बराबरी पर रहा। इसके अलावे अन्य खेलों में भी झारखंड की टीम लगातार उम्दा प्रदर्शन कर रही है।

बधाई का लगा तांता

उनके इस खेल प्रदर्शन को देखते हुए खेल विभाग के सचिव मनोज कुमार, सांसद विजय हांसदा, खेल निदेशक संदीप कुमार समेत विभिन्न खेल संगठन के पदाधिकारीयों ने खिलाड़ियों को बधाई दी है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में झारखंड का रिजल्ट

साइक्लिंगः- साइक्लिंग में सबीना कुमारी ने केयरिंन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

बालक वर्ग में केयरिंन स्पर्धा में विकास उरांव ने रजत पदक जीता।

झारखंड बालक फुटबॉलः- फुटबॉल लीग मैच में बालक झारखंड टीम ने बिहार को 4-1 से पराजित किया।

झारखंड बालिका फुटबॉलः- बालिका फुटबॉल में झारखंड टीम ने बिहार को 4-1से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

हॉकी बालिकाः- राजगीर में चल रहे लीग में बालिका हॉकी में उड़ीसा एवं झारखंड का मैच 0- 0 बराबरी पर रहा।

बाबा बैद्यनाथ धाम की खुली दानपेटी, जानिए विदेशी मुद्रा सहित कितनी मिली राशि

देवघर, एजेंसी। गुरुवार को देवघर के बैद्यनाथ धाम मंदिर की दानपेटी खोले गए. मंदिर प्रबंधन के सामने मंदिर प्रांगण के 18 दान पात्रों को खोला गया. सभी दान पात्रों से कुल 15 लाख, 45 हजार, 606 रूपये निकले हैं. वहीं, नेपाल, सिंगापुर डॉलर, यूएई की दिरहम मुद्रा भी पाई गई. सभी दान पात्रों को खोलने से पहले सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे. दानपेटियों से निकले धन की गिनती के दौरान मंदिर प्रबंधन एवं जिला प्रशासन के लोग भी मौजूद रहे. बता दें कि जिला प्रशासन के आदेश पर ही मंदिर प्रांगण के सभी दान पेटियों को खोला जाता है. दान पात्रों में मिले विदेशी मुद्रा से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार सिर्फ देश से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग मंदिर में पूजा करने पहुंच रहे हैं.

वर्तमान में लगन और मुंडन का दौर चल रहा है, जिसमें प्रतिदिन कई शादियां और मुंडन मंदिर में होती है. मुंडन कराने आए परिजन दान पात्रों में मन माफिक पैसा डालते हैं ताकि उन्हें भगवान का आशीर्वाद प्रदान हो सके. इसके अलावा प्रतिदिन शीघ्र दर्शनम

कूपन भी लोगों द्वारा खरीदा जाता है ताकि लोग छोटी लाइन में लगकर पूजा कर सकें. मंदिर में दान दक्षिणा से होने वाली आय का उपयोग मंदिर के जीर्णोद्धार एवं समाज कल्याण में किया जाता है।

देवघर का बैद्यनाथ धाम पूरे देश में प्रख्यात है. द्वादश ज्योतिर्लिंग में शुमार होने के कारण आम से खास लोग मंदिर में पहुंचते हैं और लोग अपने बेहतर भविष्य की कामना के लिए दान दक्षिणा दिल खोलकर करते हैं. इसलिए प्रतिमाह मंदिर के दान पात्रों से लाखों रुपए मंदिर प्रबंधन और जिला प्रशासन को प्राप्त होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान पर हमले को तैयार हैं तेज प्रताप यादव

■ पीएम मोदी से मांगी इजाजत

पटना, एजेंसी। लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव पाकिस्तान पर हमले के लिए पूरी तरह तैयार नजर आ रहे हैं। पायलट की ट्रेनिंग ले चुके तेज प्रताप ने लगातार दूसरे दिन ऐसी इच्छा जाहिर करते हुए पीएम मोदी से इजाजत मांगी है। बिहार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दुश्मन से लड़ने की उनकी प्रबल इच्छा है और ऐसा करते हुए जान भी चली जाए तो वह सौभाग्यशाली होंगे। तेज प्रताप यादव ने पायलट की वर्दी और ट्रेनिंग विमान में बैठे हुए अपनी तस्वीरों के साथ एक्स पर लिखा-माननीय प्रधानमंत्री जी, वंदे मातरम। विपदा की इस परिस्थिति में हम समस्त देशवासी एक साथ हैं। मैं तेज प्रताप यादव, पिताः श्री लालू प्रसाद यादव, निवासीः पटना, राज्यः बिहार, बतौर वायुयान चालक भी अपने दायित्वों का निर्वाह करने में सक्षम हूं। पूर्व मंत्री ने कहा कि सीमा पर सुरक्षा प्रहरियों के साथ कंधे-से कंधा मिलाकर शत्रुओं के नापाक इरादों को नेस्तनाबूत करने की प्रबल इच्छा रखता हूं। आप से अनुरोध है कि हम नागरिकों को भी भारत माता की सेवा करने का अवसर दिया जाए। देश व देश के नागरिकों की रक्षा में यदि मेरे प्राण भी निकल जाए तो मैं स्वयं को सौभाग्यशाली समझूंगा। एक दिन पहले भी ऑपरेशन सिंदूर की खबर आने के बाद तेज प्रताप यादव ने पायलट के रूप में देश सेवा की अपनी इच्छा जाहिर की थी। उन्होंने एक्स पर कहा,पायलट की ट्रेनिंग अगर देश के काम आ सकती है तो,मैं तेज प्रताप यादव हर समय देश की सेवा के लिए तत्पर हूं। आपके जानकारी के लिए बता दू की मैंने भी पायलट की ट्रेनिंग ले रखी है और देश के लिए मेरी जान भी चली जाए तो अपने आपको भाग्यशाली समझूंगा।

पटना हाई कोर्ट के कार्यालय में लगी आग

■ कई फाइलें जलीं, कंप्यूटर गर्म होने से हादसा

पटना, एजेंसी। पटना हाई कोर्ट स्थित एक कार्यालय में गुरुवार को आग लग गई, जिससे हड़कंप मच गया। दफ्तर में रखे एक कंप्यूटर के ज्यादा गर्म हो जाने से यह हादसा हुआ। आग की चपेट में आने से टेबल पर रखी एक दर्जन फाइलें जल गईं। सूचना मिलने पर दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि समय पर कार्रवाई होने से बचाव हो गया। आग ज्यादा नहीं फैल पाई। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया। जानकारी के अनुसार हाई कोर्ट के भूतल स्थित प्री रोड सेक्शन कार्यालय में गुरुवार सुबह करीब 6.30 बजे आग लगी थी। दरवाजा बाहर से बंद था। कार्यालय से धुआं निकलता देख वहां के कर्मी ने सूचना दमकल विभाग के कंट्रोल रूम को दी। सूचना मिलते ही वहां खड़ी एक गाड़ी के अलावा सचिवालय अग्निशमालय से दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मी आग बुझाने की कार्रवाई में जुट गए। उन्होंने कार्यालय का ताला तोड़ा और अंदर घुसे। वहां पाया गया कि कंप्यूटर में आग लगी हुई है, जो वहां रखी फाइलों में फैल गई। आग लगने से पूरे कार्यालय में धुआं भर गया। बाद में आग को बुझाकर मशीन की मदद से हाई कोर्ट दफ्तर में भरे धुएं को बाहर निकाला गया। आग बुझने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

बिहार सरकार की छुट्टियां रद्द, एयरपोर्ट-ट्रेनों में बढ़ी चौकसी

भारत-पाकिस्तान टेंशन के बीच नेपाल बॉर्डर सील: बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ की आशंका

पटना, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के हालात के बीच बिहार पुलिस और सरकारी कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई है। सभी अधिकारी 24 घंटे अलर्ट मोड में हैं। इधर, सुरक्षा की दृष्टि से भारत-नेपाल बॉर्डर को सील कर दिया गया है। 2 महीने के लिए रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक कर्फ्यू लगा दिया गया है। बिहार से नेपाल की 729 किमी की सीमा लगती है। यहां से हर आने-जाने वाले व्यक्तियों की तलाशी ली जा रही है। स्स्क्रजवानों की भी छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। जिला पुलिस के साथ एसएसबी जवान बगहा के वाल्मीकिनगर, पूर्वी चंपारण के रक्सौल में निगरानी कर रहे हैं। इसके साथ सीतामढ़ी के बैरगनियां और भिट्ठामोड़, मधुबनी के जयनगर, मधवापुर और लौकहा में भी चौकसी बढ़ा दी गई है। अररिया और किशनगंज की बॉर्डर पर दिन-रात निगरानी रखी जा रही है, ताकि पाक की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ के अंडरकवर एजेंट की घुसपैठ नेपाल सीमा से न हो सके। अटैक की खबरों की बीच सभी लोग भारतीय सेना की कार्रवाई की जानकारी के लिए उत्सुक दिखे। जो जहां था, वहीं से हर अपडेट लेने की कोशिश में जुट गया। गया में लोगों ने कहा, पाकिस्तान ने हमला किया है तो भारत को जबरदस्त जवाबी कार्रवाई करनी चाहिए। पूरी जनता भारती सेना का साथ खड़ी है। सुरक्षा में तैनात जवान बॉर्डर इलाके से 15 किमी तक संदिग्ध शख्स के आधार कार्ड की जांच कर रहे हैं। उनके फिंगर प्रिंट के साथ-साथ आंखों की रेटिना की भी जांच की जा रही है। बता दें कि पिछले 19 साल में भारत-नेपाल बॉर्डर से 12 आतंकी अरेस्ट किए गए हैं।

किशनगंज- स्स्क्र जवानों की छुट्टियां रद्द, 24 घंटे निगरानी : किशनगंज में सुरक्षा को देखते हुए एसएसबी जवानों की छुट्टियां रद्द कर दी है। इसके साथ ही बॉर्डर इलाके में अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है। किशनगंज के ठाकुरगंज, गलगलिया, दिघलबैंक और टेढ़ागाछ क्षेत्रों में सख्त निगरानी की जा रही है। बॉर्डर ओपी क्षेत्र में लगातार जिला पुलिस की टीम गश्त कर रही है। किशनगंज के डीएम विशाल राज और एसपी सागर कुमार ने खगड़ा सेक्टर मुख्यालय में बीएसएफ डीआईजी के साथ बैठक की। इस बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर गहन चर्चा की गई।

अररिया- जोगबनी बॉर्डर पर चौकसी बढ़ी : अररिया जिले के जोगबनी में भारत-नेपाल बॉर्डर पर चौकसी बढ़ा दी गई है। बॉर्डर से आने-जाने वाले लोगों की कड़ी जांच की जा रही है। लोगों की पहचान पत्र जांच कर भारत में प्रवेश करने दिया जा रहा है। जोगबनी स्स्क्रकैंप प्रभारी सहायक सेनानायक आनंद सिंह भंडारी ने बताया कि, सीमा पर जांच करना तो हमारे रूटीन वर्क का हिस्सा है, लेकिन अभी विशेष सतर्कता बरती जा रही है। हर छोटी बड़ी चीजों की गहनता से जांच की जा रही है। हर व्यक्ति के पहचान पत्र और सामान की सघन जांच कर रहे हैं।

बगहा- बॉर्डर की मॉनिटरिंग में लगे डीएम-एसपी : बगहा डीएम दिनेश कुमार राय और एसपी सुशांत कुमार सरोज ने वाल्मीकिनगर बॉर्डर का दौरा किया। एसपी रातभर बॉर्डर पर मौजूद रहे और एसएसबी के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान जवानों को सतर्क रहने के साथ साथ संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

पहचान पत्र की बारीकी से की जा रही जांच : भारत-नेपाल की सीमा खुली है, जिससे आसानी से लोग आते-जाते हैं। लेकिन, अभी बॉर्डर पर सख्त निगरानी की व्यवस्था की गई है। वैध पहचान पत्र होने के बाद ही भारत में प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। डॉक्यूमेंट्स की जांच बारीकी से की जा रही है।

कैसे नेपाल से बिहार में होती है एंट्री : नेपाल से बिहार के रास्ते भारत में एंट्री काफी आसान है। यह तीन तरीके से होती है। पहला नेटवर्क के माध्यम से और दूसरा भारत-नेपाल के गांव वालों की मदद से, जबकि तीसरा-खुद से होता है। पहला तरीकाः नेपाल के काठमांडू में ट्रेवल एजेंट भारत में एंट्री कराने के लिए काम करते हैं। फर्जी तरीके से नेपाली नागरिकता और भारतीय पहचान पत्र तक तैयार करा देते हैं। काठमांडू में ही सीमा हैदर ने भी भारत का फर्जी आधार कार्ड बनवा लिया था। सूत्रों की माने तो 5 से 10 हजार में ट्रैवल एजेंट भारतीय सीमा में प्रवेश करने के लिए फर्जी कागजात तैयार कर देते हैं। भारत-नेपाल सीमा के जानकार सीनियर जर्नलिस्ट यशोदा श्रीवास्तव बताते हैं कि नेपाल में गाइड का काम करने वाले कई युवक युवतियां भी फर्जी कागजात के आधार पर भारत में घुसपैठ कराने के लिए काम कर रहे हैं। एक्सपर्ट बताते हैं कि इसके लिए एक नेटवर्क काम कर रहा है। इसमें एक बड़ा गिरोह मोटी कमाई कर रहा है। गिरोह के सदस्य काम के हिसाब से दाम लेते हैं।

दूसरा तरीकाः अधिकतर घुसपैठ नेपाल सीमा की पगडंडी के रास्ते होती है। इसमें नेपाल और भारत के गांव वालों की मदद से हो जाती है। घुसपैठ करने वाले ग्रामीणों को लालच देकर भारत में प्रवेश कर जाते हैं।

तीसरा तरीकाः अधिकतर मामले ऐसे भी होते हैं जिसमें नेपाली और भारतीय शक्ल के दिखने वाले विदेशी खुद से बॉर्डर पार कर जाते हैं। अमूमन बॉर्डर पर संदेह होने पर ही जांच होती है, इस कारण से घुसपैठ करने वाले गांव के रास्तों का इस्तेमाल करते हैं।

आतंकियों के लिए महफूज रास्ता

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ के सॉफ्ट टारगेट पर हमेशा बिहार और यूपी की खुली सीमा रही है। इंडियन मुजाहिद्दीन के खूंखार आतंकी भारत के मोस्ट वांटेड यासीन भटकल को बिहार-नेपाल बॉर्डर से पकड़ा गया था। भटकल नेपाल सीमा के बिहार और यूपी में स्लीपर सेल तैयार कर रहा था। यही कारण है कि नेपाल सीमा पर स्थित बिहार के रक्सौल और यूपी का सोनौली बॉर्डर हमेशा संवेदनशील रहा है। कई आतंकी पकड़े गए हैं, जो बिहार-नेपाल के रास्ते भागने की तैयारी में थे या आ रहे थे। बिहार नेपाल बॉर्डर से साल 2006 से अब तक 12 आतंकी पकड़े जा चुके हैं। भारत से नेपाल की 1751 किलोमीटर की बॉर्डर लगती है। अकेले बिहार से ही 729 किलोमीटर की सीमा नेपाल से लगी है।

ट्रेनों में जांच बढ़ी, 8 घंटे की जगह 12 घंटे की ड्यूटी, छुट्टियां रद्द

दीनदयाल उपाध्याय से पटना और हावड़ा आने-जाने वाली ट्रेनों में नजर रखने के लिए आरपीएफ जवानों की संख्या बढ़ा दी गई है। ट्रेनों की बोगियों की जांच तेज कर दी गई है। हर बोगी में पैनी नजर रखने के लिए कहा गया है। हर स्टेशन पर ट्रेन रुकती है तो कोच के गेट के पास जवानों को तैनात किया गया है। दानापुर रेलवे डिवीजन के RPF के सीनियर कमांडेड प्रकाश पांडे ने बताया कि सभी रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था बेहतर रखने के लिए निर्देश दिया गया है। आरपीएफ जवानों की ड्यूटी 8 की जगह 12 घंटे कर दी गई है। छुट्टी रद्द की गई है। दानापुर रेल मंडल के निर्देश के बाद पटना जंक्शन, दानापुर स्टेशन, पाटलिपुत्र जंक्शन, राजेन्द्र नगर टर्मिनल, आरा, बक्सर, किऊल सहित मंडल के सभी स्टेशनों पर आरपीएफ के जवानों को छुट्टी रद्द कर दी गई है। दानापुर सहित पांचों मंडलों को पूर्व मध्य रेल मुख्यालय से अतिरिक्त जवान भी भेजा गया है। इन जवानों को जरूरत के अनुसार स्टेशन पर तैनात किया जा रहा है।

रेलवे ब्रिज और यार्ड में तैनात किए गए जवान

पूर्व मध्य रेल के सभी मंडलों में स्थित रेलवे ब्रिज पर पैनी नजर रखी जा रही है। इसके लिए जवान के साथ-साथ रेलवे कर्मचारियों का ड्यूटी लगा दिया गया है। वहीं रेलवे के यार्ड में सीसीटीवी कैमरे से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। यार्ड में जवानों की संख्या बढ़ा दी गई है।

रेलवे का आज 7 घंटे मेगा ब्लॉक, पटना-दुमका एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें प्रभावित, 10 रद्द

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के मुंगेर और लखीसराय जिले में रेलवे का शनिवार को 7 घंटे का मेगा ब्लॉक रहेगा। इसके चलते गया, जमालपुर, सहरसा और किऊल की 10 पैसेंजर ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है।

इसके अलावा पटना-दुमका एक्सप्रेस, भागलपुर-आनंद विहार एक्सप्रेस, ब्रह्मपुत्र मेल समेत कई ट्रेनों को रिशेड्यूल किया गया है। कुछ अन्य ट्रेनों का आंशिक समापन भी किया जाएगा। जानकारी के अनुसार जमालपुर-किऊल सेक्शन में लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 23 के स्थान पर सब-वे बनाया जा रहा है। सब-वे निर्णाण के लिए 10 मई को मसूदन और अभयपुर स्टेशन के बीच सुबह सवा 7 बजे से दोपहर सवा 2 बजे तक यातायात और पावर ब्लॉक का फैसला लिया गया है। इस वजह से कई ट्रेनों को रद्द करने के साथ ही रिशेड्यूल किया गया है।

ये ट्रेनें रद्द रहेंगी

53479 जमालपुर किऊल पैसेंजर 10 मई को
53480 किऊल जमालपुर पैसेंजर 10 मई को
73421 जमालपुर किऊल पैसेंजर 10 मई को
73422 किऊल जमालपुर पैसेंजर 10 मई को
63423 जमालपुर किऊल पैसेंजर 10 मई को
63424 किऊल जमालपुर पैसेंजर 10 मई को
05509 सहरसा जमालपुर पैसेंजर 10 मई को
05510 जमालपुर सहरसा पैसेंजर 10 मई को

इन ट्रेनों का आंशिक समापन होगा

ट्रेन नंबर 13409/10 मालदा टाउन-किऊल-मालदा टाउन 10 मई को जमालपुर में ही समापन होकर वहीं से वापस चलेगी

गोड्डा राजेंद्र नगर एक्सप्रेस 10 मई को किऊल पर समाप्त होगी और फिर वहीं से शुरू होगी

साहिबगंज जमालपुर मेमू ट्रेन को 10 मई को भागलपुर तक ही चलाया जाएगा

एलएनजेपी अस्पताल: आयुष्मान कार्डधारी मरीजों के इलाज की पड़ताल

हाथ-पैर में लगे रॉड को निकालने के लिए भी 15 दिन इंतजार कर रहे मरीज

पटना, एजेंसी। लोक जयप्रकाश नारायण हड्डी रोग अस्पताल में आयुष्मान कार्डधारी मरीजों का न समय में ऑपरेशन हो रहा है और इलाज। निःशुल्क इलाज और गरीबी के कारण हाथ-पैर और कमर की हड्डी के ऑपरेशन के लिए एक-एक महीने का इंतजार करना पड़ रहा है। एलएनजेपी में आयुष्मान कार्डधारी 50 मरीज भर्ती हैं। इन मरीजों को ऑपरेशन के लिए लंबा इंतजार और दर्द दे रहा है। एलएनजेपी अस्पताल में 158 बेड है। इसमें अधिकांश बेड पर आयुष्मान के मरीज भर्ती हैं। मरीजों का कहना है कि आयुष्मान कार्डधारी मरीज अपना कार्ड कैंसिल कराकर पैसा देकर इलाज करा रहे हैं। रॉड निकालने के लिए 15 दिन से अस्पताल में भर्ती हैं रीता : दानापुर की रीता देवी सिर्फ हाथ में लगे रॉड को निकलवाने के लिए 15 दिन से अस्पताल में भर्ती हैं। तीन से चार दिन पर पानी चढ़ाते हैं और डॉक्टर कहते हैं कि आज रॉड निकल जाएगा, लेकिन रॉड नहीं निकल रहा है। रीता देवी का कहना है कि रॉड के कारण अब हाथ उठाना मुश्किल हो गया है। रॉड निकालने के लिए अस्पताल में भर्ती कर लिया है और सिर्फ तारीख पर तारीख दे रहे हैं।

पैर में लगे रॉड को निकालने के लिए पढ़ाई छोड़कर एलएनजेपी में भर्ती है छात्रा : मसौढ़ी से आई चौथी कक्षा की छात्रा के पैर में भी रॉड लगा है। वह भी 7 दिनों से अस्पताल में भर्ती है। लेकिन रॉड नहीं निकाला जा रहा है। छात्रा ने बताया कि अस्पताल में भर्ती रहने के कारण उसकी पढ़ाई छूट रही है। उसके पिता अर्जुन कुमार बताते हैं कि वह पंजाब में काम करते हैं, बेटी के इलाज के लिए काम छोड़कर बैठे हैं। ऑपरेशन नहीं हुआ, आयुष्मान कार्ड कैंसिल कराकर कराया इलाज बेशऊर की रहने वाली मीना देवी का कमर टूट गया है। वह दस दिनों से जयप्रकाश नारायण हड्डी अस्पताल में भर्ती हैं। उनके पास आयुष्मान कार्ड भी था, डॉक्टर ऑपरेशन के लिए टाल रहे थे, अंत में हारकर वह अपना आयुष्मान कार्ड कैंसिल कराया और उसी अस्पताल में 14 हजार रुपए देकर ऑपरेशन कराया। पटना के एलएनजेपी अस्पताल के सुप्रीटेंडेंट डॉ. सुभाष चंद्रा का कहना है कि एलएनजेपी अस्पताल में 15 चिकित्सक हैं। हर दिन दो-तीन ऑपरेशन होते हैं। 158 बेड पर हड्डी रोग का इलाज हो रहा है। हर दिन 20-25 मरीज आ रहे हैं। पांच से छह मरीज डिस्चार्ज हो रहे हैं। छह से आठ प्रत्येक दिन ऑपरेशन होता है। आने वाले मरीजों का पहले ऑपरेशन करना जरूरी होता है। अगर रॉड नहीं निकलता है तो उन्हें इंतजार करना होगा।

बेहतरीन मौका है, भारत अब पीओके लेकर ही माने: पप्पू यादव

पूर्णिया, एजेंसी। पहलगाम हमले के जवाब में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बीच भारत और पाकिस्तान में तनाव चरम पर है। इस बीच बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भारत सरकार से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) वापस लाने की अपील कर दी है। सांसद ने कहा कि यह बेहतरीन मौका है, भारत अब पीओके लेकर ही माने। उन्होंने कहा कि वैश्विक समुदाय को डेलीगेशन भेजकर भारत सरकार को उन्हें अपने पक्ष में करना चाहिए। पप्पू यादव ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह बात कही। उन्होंने दावा किया कि हमारी सेना अपने शौर्य के बूते पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को आजाद कर संपूर्ण कश्मीर को भारत में जोड़ देगी। सांसद ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार पाक अधिकृत कश्मीर को मुक्त कराने का निर्णय ले, भारतीय सेना 24 घंटे में पीओके को भारत में मिला देगी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पिछले महीने हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इसके बाद बौखलाहट में पाकिस्तान ने भारत के 15 शहरों में मिसाइल और ड्रोन हमलों की नाकाम कोशिश की। भारत ने भी जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के एयर डिफेंस रडार सिस्टम को नुकसान पहुंचाया। दोनों देशों के बीच फिलहाल तनाव चरम पर है। गुरुवार रात को भी पाक की ओर से भारत में कई जगहों पर हमले की कोशिश की जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया।

राजस्व कर्मचारियों की पोस्टिंग काम के आधार पर होगी

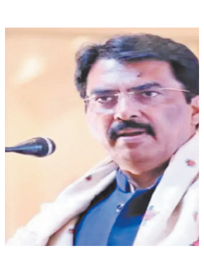

पटना, एजेंसी। सीओ और कर्मचारी संवेदनशील होकर जनता से पॉजिटिव संवाद करें। किसी काम के लिए अंचल कार्यालय आने वाले लोगों को परेशान नहीं करें। सीओ के साथ-साथ राजस्व कर्मचारियों की पोस्टिंग भी उनके काम के आधार पर होगी। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने गुरुवार को डीसीएलआर और सीओ की दो दिवसीय समीक्षा बैठक के दौरान उक्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सीओ कार्यालय के सभी काम ऑनलाइन होने के बावजूद आम नागरिकों की दफ्तरों में भीड़ हो रही है, जो जायज नहीं है।

जनता के काम को गंभीरता से पूरा करें। दूर-दराज के गांवों से आने वालों की समस्याओं का तुरंत निपटारा करें। मंत्री ने ऑनलाइन म्यूटेशन, जमाबंदी और परिमार्जन की समस्याओं के साथ-साथ डिफेक्ट चेक स्टेटस, म्यूटेशन केस डिस्पोजल, रिजेक्शन ऑफ म्यूटेशन केस की स्थिति पर कहा कि समय सीमा के अंदर जल्द सारे काम पूरे हों। बैठक में निदेशक राकेश कुमार सिंह और कमलेश कुमार सिंह, विशेष सचिव अरुण कुमार सिंह आदि मौजूद रहे। जिलों में दाखिल-खारिज के पेंडिंग व अस्वीकृत मामलों, जमाबंदी के डिजिटाइजेशन के पेंडिंग मामलों पर मंत्री ने कहा कि ये बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह और सचिव जय सिंह ने कहा कि जिन अंचलों का कार्य संतोषजनक नहीं है, वहां के अधिकारियों को सचेत किया जा रहा है। जहां भी शिथिलता या लापरवाही पाई जा रही है, वहां कार्रवाई की जाएगी।

ऑनलाइन राजस्व शिकायत प्रबंधन प्रणाली शुरू

लोगों की सुविधा और राजस्व संबंधी शिकायतों के तुरंत निपटारे के लिए नई ऑनलाइन राजस्व शिकायत प्रबंधन प्रणाली शुरू हो गई है। मंत्री संजय सरावगी ने इसकी शुरुआत की। इस पोर्टल पर राजस्व विभाग से जुड़ीं शिकायतें ऑनलाइन दर्ज होंगी। बिहार भूमि पोर्टल के एकीकृत लॉगइन व्यवस्था के तहत सुविधा का लाभ उठाएंगे। शिकायतों के संबंध में एसएमएस व पोर्टल से अपडेट जानकारी मिलेगी। शिकायत पर हुई कार्यवाही को देखने की पारदर्शी व्यवस्था होगी।

पटना में रहने वालीं पाकिस्तानी महिलाओं को 2 महीने की मोहलत, नया वीजा बनवाना होगा

पटना, एजेंसी। पटना सहित बिहार के विभिन्न जिलों में रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को भारत सरकार ने दो महीने की मोहलत दी है। उन्हें दो महीने के अंदर नया वीजा बनवाना होगा। 10 जुलाई के बाद उनका पुराना वीजा अपने आप रद्द हो जाएगा। पटना में पाकिस्तान की 28 महिलाएं रह रही हैं। इनके पास लंबी अवधि का वीजा (एलटीवी) है। भारत सरकार के आदेश पर पुलिस अधीक्षक (विधि व्यवस्था) पटना संजय कुमार ने जिले के सभी पाक नागरिकों को नया वीजा बनवाने का आदेश दिया है। इसके लिए दस मई से 10 जुलाई तक आवेदन करने की तिथि निर्धारित की गई है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 28 निर्दोष लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

इस घटना के बाद केंद्र सरकार ने भारत में रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने का निर्देश दिया था। उसी समय पता चला कि राजधानी सहित पटना जिले में पाकिस्तान की 28 महिलाएं रहती हैं। इनके पास एलटीवी है। इसमें से तीन महिलाओं ने अपना पासपोर्ट सरेंडर कर दिया है। वहीं एक महिला के वीजा को लेकर सिविल कोर्ट में केस चल रहा है।

10 जुलाई तक आवेदन करने की मोहलत

पुलिस अधीक्षक (विधि व्यवस्था) पटना ने गुरुवार को बताया कि दीर्घ कालीन वीजा के लिए पाकिस्तान के नागरिकों को नए सिरे से आवेदन करना होगा। इसके लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने 10 मई से लेकर 10 जुलाई तक का समय निर्धारित किया है। पटना में रहने वाले सभी पाकिस्तानी नागरिकों को वीजा के लिए नए सिरे से आवेदन करने के बारे में बता दिया गया है। इस अवधि के अंदर जो लोग आवेदन करने में विफल होंगे, उनका वीजा रद्द कर दिया जाएगा और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि सभी पाकिस्तानी नागरिकों का सत्यापन थाना स्तर पर कराया जा चुका है। इन सभी लोगों पर निगरानी रखी जा रही है। संबंधित थाने अलर्ट हैं।

एसपी से पाकिस्तानी महिला ने लगाई गुहार

पीरबहोर के सब्जीबाग में रहने वाली पाकिस्तानी महिला जाहिदा खालिद गुरुवार को पुलिस अधीक्षक (विधि व्यवस्था) के पास गुहार लेकर पहुंची थी। उनके साथ बेटा भी था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जाहिदा ने एसपी को बताया कि उनके खिलाफ न्यायालय में केस चल रहा था। इसमें 24 अप्रैल को उनके पक्ष में फैसला आया है, लेकिन पुलिस के पास उसकी कोई लिखित सूचना नहीं मिली है। इसकी वजह से महिला को वापस लौटा दिया गया। वह दीर्घ कालिक वीजा पर है।

रोहित शर्मा, बुमराह और सूर्यकुमार यादव ने भारतीय सेना को किया सलाम

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच भारतीय क्रिकेटर्स रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह ओर सूर्यकुमार यादव ने भारतीय सेना की बहादुरी और समर्पण को सलाम किया है। तीनों खिलाड़ियों ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जवानों के साहस और देश की रक्षा में उनकी भूमिका की सराहना की।

भारतीय तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह ने अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर लिखा, "हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी और साहस के लिए आभार। हम उन्हें सलाम करते हैं और हमेशा उनके ऋणी रहेंगे, जो हमें सुरक्षित रखने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं।"

वहीं, स्टार बल्लेबाज़ सूर्यकुमार यादव ने लिखा,"हमारी सेनाओं पर बेहद गर्व है और उनके साहस व संयम को सलाम। आप ही हैं जिनकी वजह से हम अपने घरों में सुरक्षित हैं। सीमाओं पर आपकी शक्ति और समर्पण को नमन। जय हिंद!" इस बाबत भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भी भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना को सलाम करते हुए भावुक पोस्ट किया है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किए जाने के बाद रोहित ने सुरक्षा बलों की वीरता की सराहना की। रोहित ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा , "हर एक क्षण के साथ, हर एक निर्णय के साथ, मुझे हमारी भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना पर अत्यधिक गर्व महसूस होता है। हमारे वीर योद्धा देश की शान के लिए मजबूती से खड़े हैं। हर भारतीय की जिम्मेदारी है कि वह किसी भी फेक न्यूज को फैलाने या उस पर विश्वास करने से बचें। सभी सुरक्षित रहें!जय हिन्द"। रोहित के इस संदेश ने देशवासियों को सुरक्षाबलों पर गर्व करने के साथ-साथ सोशल मीडिया पर सतर्कता बरतने का भी संदेश दिया है। वे उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने इस संकट के समय में राष्ट्रीय एकता और जागरूकता का आह्वान किया है।

ऑपरेशन सिंदूर : आतंकी ठिकानों पर भारत का जवाब

इन प्रतिक्रियाओं की पृष्ठभूमि में है भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में नौ स्थानों पर आतंकी ठिकानों को नष्ट किया जाना। यह कार्रवाई हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद की गई थी।

बीसीसीआई ने आईपीएल 2025 को तत्काल प्रभाव से एक सप्ताह के लिए किया स्थगित

हालात की समीक्षा के बाद होगा अगला ऐलान

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मौजूदा टाटा आईपीएल 2025 को तत्काल प्रभाव से एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का फैसला किया है। इस निर्णय के पीछे हालिया हालात और खिलाड़ियों, प्रसारकों, प्रायोजकों सहित सभी संबंधित पक्षों की चिंताओं को ध्यान में रखा गया है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि स्थिति की व्यापक समीक्षा के बाद ही नए शेड्यूल और स्थानों की घोषणा की जाएगी।

खिलाड़ियों और फ्रेंचाइजियों की चिंता को मिला सम्मान : आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने यह फैसला सभी प्रमुख हितधारकों से सलाह-मशविरा करने के बाद लिया है। अधिकतर फ्रेंचाइजियों ने अपने खिलाड़ियों की भावनाओं और सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को बीसीसीआई तक पहुंचाया था। साथ ही, ब्रॉडकास्टर, स्पॉन्सर्स और प्रशंसकों की भावनाओं को भी महत्व दिया गया।

देश के साथ खड़ा है बीसीसीआई : बीसीसीआई ने इस मौके पर देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है और कहा कि वह भारत सरकार, सशस्त्र बलों और देशवासियों के साथ मजबूती से खड़ा है। बोर्ड ने "ऑपरेशन सिंदूर" में जुटे भारतीय सेना के जवानों की वीरता, साहस और सेवा भावना को सलाम किया है। हालिया आतंकी हमले और पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई के जवाब में सेना के प्रयासों को प्रेरणादायक बताया गया है। बीसीसीआई ने कहा कि भले ही क्रिकेट देश का जुनून है, लेकिन राष्ट्र की संप्रभुता, एकता और सुरक्षा से बढ़कर कुछ नहीं। बोर्ड ने भरोसा दिलाया है कि भारत की सुरक्षा से जुड़े किसी भी फैसले में वह हमेशा सरकार और देश के साथ रहेगा। बीसीसीआई ने लीग के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर जियो स्टार, टाइटल स्पॉन्सर टाटा और अन्य सभी सहयोगी भागीदारों का आभार जताया है, जिन्होंने इस कठिन समय में पूरी समझदारी और समर्थन के साथ राष्ट्रहित को प्राथमिकता दी है।

संक्षिप्त

शुकरी कॉनराड दक्षिण अफ्रीका पुरुष क्रिकेट टीम का ऑल-फॉर्मेट कोच नियुक्त

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीकी पुरुष क्रिकेट टीम के कोच शुकरी कॉनराड को अब क्रिकेट के तीनों प्रारूप के लिए टीम का कोच नियुक्त कर दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, "क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका को प्रोटियाज पुरुष टीम के सभी प्रारूपों के मुख्य कोच के रूप में शुकरी कॉनराड की नियुक्ति की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।" बोर्ड ने आगे कहा कि जनवरी 2023 से टेस्ट टीम की अगुआई कर रहे कॉनराड अब जुलाई में जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला से शुरू होने वाले सफेद गेंद के प्रारूपों की कमान संभालेंगे। 58 वर्षीय कॉनराड आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 तक सभी प्रारूपों में राष्ट्रीय टीम की देखरेख करेंगे, जिसकी मेजबानी घरेलू धरती पर की जाएगी।

जेसन रॉय की रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी, काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए खेलेंगे

लंदन । इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज़ जेसन रॉय एक बार फिर रेड-बॉल क्रिकेट में उतरने के लिए तैयार हैं। उन्हें इस हफ्ते वारविकशायर के खिलाफ एजबेस्टन में होने वाले काउंटी चैंपियनशिप मुकाबले के लिए सरे की टीम में शामिल किया गया है। 34 वर्षीय रॉय ने अब तक 87 रेड-बॉल मैचों में 36.46 की औसत से 9 शतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 143 (लंकाशर के खिलाफ, 2015) है। हालांकि, उन्होंने आखिरी बार 2020 की कोविड प्रभावित गर्मियों में बॉब विलिस ट्रॉफी में हैम्पशायर के खिलाफ यह फॉर्मेट खेला था। 2019 विश्व कप में इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद रॉय को टेस्ट टीम में मौका मिला था। उन्होंने आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट खेले लेकिन आठ पारियों में महज 13.75 की औसत से रन बना सके। ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक के सामने उनकी तकनीक नाकाम साबित हुई और आखिरकार उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया।

नीरज चोपड़ा ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2025 में लेंगे हिस्सा, दो बार चोट के कारण रह चुके हैं बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और दो बार ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा इस साल 24 जून को चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा शहर में होने वाले गोल्डन स्पाइक 2025 एथलेटिक्स मीट में हिस्सा लेंगे। इससे पहले वह 2023 और 2024 के संस्करणों से चोट के चलते हट गए थे, लेकिन इस बार वह तीसरी बार में किस्मत आजमाने उतरेंगे।

दो बार नहीं खेल पाए, अब कोच के देश में दिखेगा जलवा : टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा पिछले दो वर्षों में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सके थे, हालांकि वह 2024 में विशेष अतिथि के रूप में वहां मौजूद रहे थे। इस बार यह मुकाबला खास इसलिए भी होगा क्योंकि यह उनके दिग्गज कोच और पूर्व विश्व चैंपियन जान ज़ेलेज़नी के होमग्राउंड पर खेला जाएगा। ज़ेलेज़नी खुद इस टूर्नामेंट के निदेशक भी हैं। नीरज ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, "मैं यह घोषणा करते हुए उत्साहित हूं कि मैं इस साल ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक मीट में हिस्सा लूंगा। यह एक ऐतिहासिक प्रतियोगिता है और इस बार यह और भी खास होगी। मेरे कोच जान ज़ेलेज़नी ने यहां कई बार जीत दर्ज की है और अब वह टूर्नामेंट के निदेशक भी हैं।" गोल्डन स्पाइक मीट 1961 से आयोजित हो रहा है और यह वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड लेबल प्रतियोगिता है, जो डायमंड लीग के बाद दुनिया की दूसरी सबसे अहम सिरीज़ मानी जाती है। इस बार नीरज का मुकाबला 2020 ओलंपिक रजत पदक विजेता और चेक गणराज्य के ही याकुब वाडलेच जैसे शीर्ष खिलाड़ियों से होगा।

इससे पहले दो बड़े मुकाबलों में उतरेंगे नीरज : गोल्डन स्पाइक से पहले नीरज 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 24 मई को बेंगलुरु में होने वाले पहले 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' में नजर आएंगे। उन्होंने दक्षिण कोरिया के गुमी में 27 से 31 मई के बीच होने वाली एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है।

एलए ओलंपिक 2028: उद्घाटन और समापन समारोह दो ऐतिहासिक स्टेडियमों में होंगे आयोजित

एजेंसी, लॉस एंजेलिस

लॉस एंजेलिस मेमोरियल कोलिज़ियम और इंग्लवुड स्थित सोफी स्टेडियम 2028 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के उद्घाटन और समापन समारोहों की मेजबानी करेंगे। एलए28 आयोजकों ने गुरुवार को उक्त घोषणा की।

दो स्टेडियमों में होगा ओलंपिक का उद्घाटन समारोह : 14 जुलाई 2028 को होने वाला ओलंपिक उद्घाटन समारोह पहली बार दो स्थानों – ऐतिहासिक कोलिज़ियम और आधुनिक सोफी स्टेडियम – में साझा रूप से आयोजित होगा। कोलिज़ियम ओलंपिक इतिहास में तीन बार खेलों की मेजबानी करने वाला पहला स्थल बन जाएगा। एलए28 के चेयरपर्सन और प्रेसिडेंट केसी वासरमैन ने एक बयान में कहा, "ये दोनों स्थल लॉस एंजेलिस की खेल विरासत और तकनीकी प्रगति का प्रतीक हैं। दुनियाभर से आने वाले दर्शकों के लिए यह अनुभव अविस्मरणीय होगा।" 30 जुलाई को ओलंपिक का समापन समारोह कोलिज़ियम में आयोजित किया जाएगा, जिसे आयोजनकर्ता 'अविस्मरणीय उत्सव' बता रहे हैं। 15 अगस्त को पैरालंपिक का उद्घाटन समारोह सोफी स्टेडियम में होगा, जबकि समापन समारोह 27 अगस्त को कोलिज़ियम में सम्पन्न होगा। लॉस एंजेलिस ने इससे पहले 1932 और 1984 में ओलंपिक की मेजबानी की थी। लेकिन 2028 पहली बार होगा जब यह शहर पैरालंपिक खेलों की भी मेजबानी करेगा। आयोजकों ने कहा, "पैरालंपिक समापन समारोह एलए28 खेलों की अंतिम यादगार झलक होगा, जो ओलंपिक और पैरालंपिक आंदोलन को लॉस एंजेलिस से स्थायी रूप से जोड़ देगा।" एलए28 ने पिछले महीने कुछ अन्य आयोजन स्थलों की भी घोषणा की थी। बीच वॉलीबॉल की प्रतियोगिताएं लॉन्ग बीच के अलामिटोस बीच पर होंगी, जबकि स्क्वैश खेल हॉलीवुड के यूनिवर्सल स्टूडियो में अपनी ओलंपिक शुरुआत करेगा।

पीसीएल 2025 के बचे हुए मुकाबले यूएई शिफ्ट, भारत-पाक तनाव के बीच लिया गया बड़ा फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली

पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के 10वें संस्करण के बचे हुए आठ मुकाबले अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले जाएंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने यह अहम फैसला लिया है। पीसीबी ने एक आधिकारिक बयान में कहा है कि शेष मुकाबलों की तारीख और स्थान की घोषणा जल्द की जाएगी।

रावलपिंडी मैच रद्द, खिलाड़ियों ने जताई चिंता : गुरुवार को कराची किंग्स और पेशावर ज़ल्मी के बीच रावलपिंडी स्टेडियम में मुकाबला होना था, लेकिन एक ड्रोन के स्टेडियम परिसर में गिरने के बाद आपात बैठक बुलाकर मैच को स्थगित कर दिया गया। इस बैठक में पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नक़वी और लीग में शामिल विदेशी खिलाड़ियों के बीच चर्चा हुई, जिसमें अधिकांश विदेशी खिलाड़ियों ने लीग को यूएई शिफ्ट करने की मांग की।

यूएई में पीसीएल को दोबारा मिली शरण : यह पहली बार नहीं है जब पीसीएल को यूएई में कराना पड़ा हो। लीग की शुरुआत 2016 में यूएई से हुई थी और शुरुआती दो सीजन वहीं खेले गए थे। इसके बाद 2021 में कोविड के कारण भी कुछ मुकाबले यूएई में हुए थे। अब एक बार फिर लीग को सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान से बाहर शिफ्ट किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम पर भी पड़ सकता है असर : पीसीएल के बाद पाकिस्तान को 21 मई को बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टी 20 सीरीज़ की मेज़बानी करनी थी। पहला मुकाबला 25 मई को फैसलाबाद में खेला जाना था, लेकिन अब लीग के शेड्यूल में बदलाव होने से इस सीरीज़ पर भी असर पड़ सकता है। पीसीबी ने फिलहाल इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

हार्दिक, मनप्रीत और हरमनप्रीत ने मेरी काफी मदद की : मिडफील्डर राजिंदर सिंह

एजेंसी, बेंगलुरु

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के युवा मिडफील्डर राजिंदर सिंह ने अक्टूबर 2024 में जर्मनी के खिलाफ दो मैचों की सीरीज़ से सीनियर टीम में कदम रखा था। अब आठ महीने बाद, वह टीम के मुख्य खिलाड़ियों में से एक बन चुके हैं। वर्तमान में वह बेंगलुरु स्थित साई केंद्र में चल रहे सीनियर नेशनल कैंप में आगामी एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 के यूरोप चरण की तैयारियों में जुटे हुए हैं। कैंप की तैयारी पर बात करते हुए राजिंदर ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, "तैयारियां काफी अच्छी चल रही हैं। कुछ खिलाड़ी फिटनेस पर ज्यादा काम कर रहे हैं, तो कुछ स्टिक और बॉल स्किल्स पर। इस बार दोनों पर समान फोकस है। इससे पहले जो कैंप हुआ था, उसमें पूरी तरह फिटनेस पर ध्यान दिया गया था।" भारत ने एफआईएच प्रो लीग 2024/25 के घरेलू चरण में भुवनेश्वर में आठ मुकाबलों में से पांच जीते और 15 अंक अर्जित किए। टीम फिलहाल अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। स्पेन, जर्मनी और इंग्लैंड से हार झेलने के बाद भारतीय टीम ने इन सभी टीमों को रिवर्स फिक्स्चर में हराया।

राजिंदर ने प्रदर्शन पर बात करते हुए कहा, "भुवनेश्वर में हमारे कुछ मैचों में उतार-चढ़ाव जरूर रहे, लेकिन उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। हम अभी भी उन मैचों के वीडियो सेशन कर रहे हैं ताकि यूरोप लेग की तैयारियों में कोई कमी न रह जाए।" उन्होंने आगे कहा,"उस चरण में हमने देखा कि हम सर्कल में एंट्री तो कर रहे थे, लेकिन गोल नहीं कर पा रहे थे। इस समय हम सर्कल के अंदर के खेल पर खासा ध्यान दे रहे हैं ताकि फील्ड गोल को ज्यादा से ज्यादा बदला जा सके और पेनल्टी कॉर्नर पर निर्भरता कम हो।" 22 वर्षीय राजिंदर हरियाणा से हैं और जूनियर टीम के लिए सुल्तान जोहोर कप 2022 और जूनियर एशिया कप 2023 जैसे टूर्नामेंट जीत चुके हैं। सीनियर खिलाड़ियों के साथ खेलने के अनुभव पर उन्होंने कहा, "सीनियर खिलाड़ियों से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है। वे जब भी हमसे कोई गलती होती है, तो हमें समझाते हैं कि कैसे संयम में रहकर खेलना है।"

बॉक्स ऑफिस पर एक ही रफ्तार से आगे बढ़ रही हिट 3 और रेट्रो

कमाई के मामले में नानी किसका पलड़ा भारी

1 मई 2025 को सिनेमाघरों में तमिल फिल्म रेट्रो और तेलुगु फिल्म हिट 3 की भिड़ंत हुई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर रोमांचक मुकाबला पेश किया। सूर्या और नानी की इन फिल्मों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है, लेकिन नानी की हिट 3 ने कमाई में बाजी मार ली है। आइए, जानते हैं कि छठे दिन दोनों फिल्मों ने कितना कलेक्शन किया और कौन आगे निकला। शैलेश कोलानू के निर्देशन में बनी हिट 3 में नानी ने एसपी अर्जुन सरकार और श्रीनिधि शेट्टी ने मृदुला का किरदार निभाया है। इस क्राइम थ्रिलर को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है, जिसने सूर्या की रेट्रो को पीछे छोड़ दिया। हिट 3 की कुल कमाई अब 58.55 करोड़ रुपये हो गई है। यह फिल्म तेलुगु दर्शकों के बीच खासकर हैदराबाद और बेंगलुरु में मजबूत पकड़ बनाए हुए है। सूर्या और पूजा हेगड़े स्टारर रेट्रो, जिसका निर्देशन कार्तिक सुब्बराज ने किया, ने रिलीज से पहले जबरदस्त हाइप बनाया था। पहले दिन शानदार ओपनिंग के बाद इसकी कमाई में गिरावट आई। वीकेंड पर कलेक्शन में थोड़ी तेजी दिखी, लेकिन वीकडेज में यह कमजोर पड़ रही है। रेट्रो की कुल कमाई अब 48.90 करोड़ रुपये हो गई है, जो तमिलनाडु में मजबूत प्रदर्शन के बावजूद हिट 3 से पीछे है। हिट 3 और रेट्रो के बीच बॉक्स ऑफिस पर कड़ा मुकाबला है, लेकिन हिट 3 ने 58.55 करोड़ के साथ रेट्रो (48.90 करोड़) पर 9.65 करोड़ की बढ़त बना ली है। अब सबकी नजरें दूसरे वीकेंड पर हैं, जहां दोनों फिल्मों के प्रदर्शन से यह तय होगा कि कौन लंबी रेस में आगे रहता है।

निकिता दत्ता का खुलासा, मैं यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थीं

एक्ट्रेस निकिता दत्ता इन दिनों ज्वेल थीफ में अपने काम के लिए तारीफ बटोर रही हैं। इस फिल्म में वह जयदीप अहलावत और सैफ अली खान के साथ नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए बताया कि उनका पालन-पोषण बहुत अनुशासन, तय नियमों और रोजमर्रा की तय दिनचर्या के साथ हुआ था। निकिता दत्ता ने बताया कि उनका पालन-पोषण ऐसे माहौल में हुआ जहां नियम और जिम्मेदारियां सबसे ज्यादा मायने रखती हैं। इसी परवरिश ने मुझे अनुशासन और मेहनत करना सिखाया। उन्होंने साथ ही खुलासा किया कि वह एक्ट्रेस बनने से पहले यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थीं। अपने करियर के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मैं एक आर्मी फैमिली से आती हूं। मेरे आसपास लगभग सभी ने किसी न किसी रूप में सेना में सेवा दी है। ऐसे अनुशासित माहौल में पली-बढ़ी होने के कारण, मैं भी एक ऐसा करियर चाहती थी जिसमें स्पष्टता और स्थिरता हो। एक समय ऐसा भी था जब मैं यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थी। लेकिन अब जब मैंने एक्टिंग को अपना पेशा चुना है, तो ये बदलाव मेरे लिए बहुत बड़ा लगता है। उन्होंने आगे कहा, हम ऐसे माहौल में बड़े हुए जहां बहुत सारे नियम, दिनचर्या और बंदिशें

थीं। हर काम नियम के अनुसार होता था। क्रिएटिव फील्ड में करियर चुनना, जहां हर दिन कुछ नया होता है.. मेरे लिए उस जीवनशैली से बिलकुल अलग था। लेकिन मुझे लगता है कि उस अनुशासित परवरिश ने ही मुझे इस उथल-पुथल भरी इंडस्ट्री में फोकस्ड और मजबूत बनाए रखा है। भले ही फिल्म इंडस्ट्री चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन बचपन का अनुशासन और ठहराव मुझे हार न मानने की ताकत देता है। एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो निकिता दत्ता ने 2014 में रोमांटिक ड्रामा लेकर हम दीवाना दिल से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। वह गोल्ड, कबीर सिंह, द बिग बुल और खाकी: द बिहार चैप्टर जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में, वह हीस्ट एक्शन थ्रिलर ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स में नजर आईं। कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल की निर्देशित इस फिल्म में सैफ अली खान, जयदीप अहलावत और कुणाल कपूर भी थे। ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स का प्रीमियर 25 अप्रैल, 2025 को नेटफ्लिक्स पर हुआ।

परम सुंदरी पर आया नया अपडेट, 9 मई को रिलीज होगा सिद्धार्थ-जान्हवी की फिल्म का टीजर

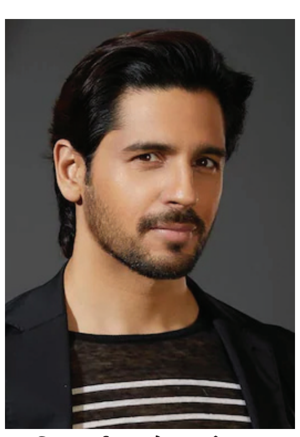

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की नई फिल्म परम सुंदरी का इंतजार कर रहे फैंस के लिए खुशखबरी है। इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का पहला टीजर इस वीकएंड रिलीज होने जा रहा है। फिल्म को तुषार जलोटा ने निर्देशित किया है। परम सुंदरी का 58 सेकंड का टीजर 9 मई, 2025 को रिलीज होने वाली फिल्म भूल चूक माफ के साथ सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा। भूल चूक माफ में राजकुमार राव और वामिका गब्बी मुख्य भूमिका में हैं। टीजर में दर्शकों को सिद्धार्थ और जाह्नवी की जोड़ी की एक प्यारी झलक देखने को मिलेगी। यह कहानी एक उत्तर भारतीय लड़के और एक दक्षिण भारतीय लड़की की है, जिनके अलग-अलग दुनिया एक दूसरे से टकराती हैं और दोनों प्यार में पड़ जाते हैं। केरल के खूबसूरत बैकवाटर की पृष्ठभूमि में फिल्माई गई इस फिल्म प्यार, हंसी और अनोखे ट्विस्ट से फिल्म के निर्माता दर्शकों का मनोरंजन करने की कोशिश करेंगे। परम सुंदरी की स्क्रिप्ट आरश वोरा और गौरव मिश्रा ने लिखी है। फिल्म का संगीत सचिन-जिगर ने तैयार किया है और गीत अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। सिनेमैटोग्राफी संतानकृष्णन ने की है। डायरेक्टर तुषार जलोटा इससे पहले ओटीटी फिल्म दसवीं बना चुके हैं। वह बर्फी और पद्मावत जैसी फिल्मों में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं। यह उनकी पहली थियेटर रिलीज फिल्म है। परम सुंदरी 25 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिलहाल, फिल्म की टीम इसकी आखिरी शूटिंग में जुटी है।

अवनीत कौर ने ब्लैक आउटफिट में बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान, इंटरनेट पर छाईं एक्ट्रेस की कातिल अदाएं

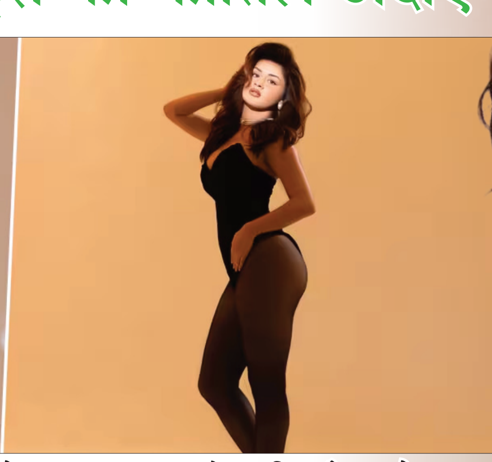

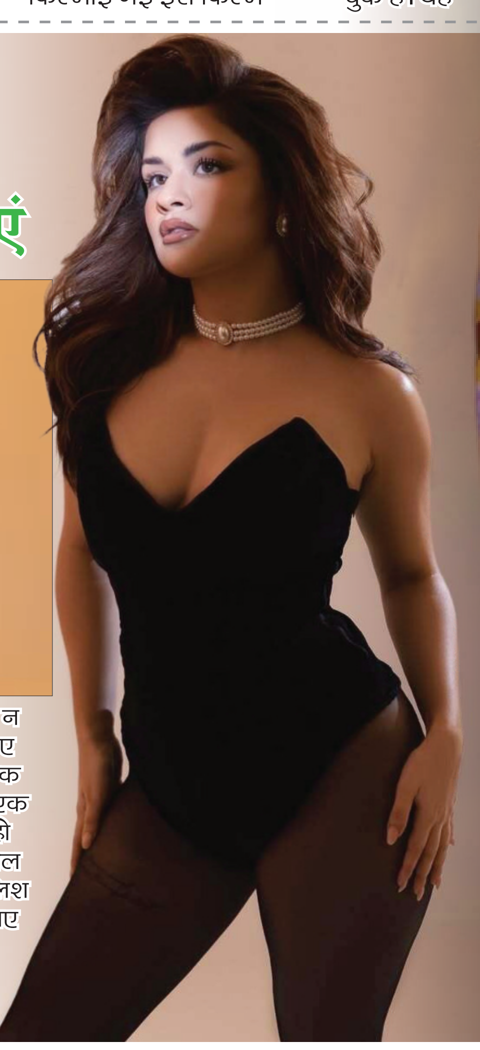

एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया पर आग लगा दी है. उन्होंने इंस्टाग्राम पर ब्लैक आउटफिट में अपनी कुछ बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका ग्लैमरस अवतार देखते ही बन रहा है. तस्वीरों में अवनीत ने ब्लैक बॉडीसूट और हाई हील्स पहन रखी है, जिसमें उनका कॉन्फिडेंट पोज़ और एक्सप्रेशंस सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं. इस पोस्ट को अब तक 2.7 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं और फैंस लगातार कमेंट्स में दिल और फायर इमोजी के ज़रिए अपना प्यार जता रहे हैं. 'हे भगवान, 'अद्भुत, 'हॉटनेस ओवरलोडेड जैसे कमेंट्स से पोस्ट भरा हुआ है. फोटोशूट के क्रेडिट में उन्होंने बताया है कि स्टाइलिंग म्मुंडे4442 ने की है, हेयर चीमाबलजीत2 द्वारा किया गया है और मेकअप अवनीत ने ख़ुद किया है. यह पोस्ट न सिर्फ फैशन प्रेमियों के लिए इंस्पिरेशन बन गई है बल्कि अवनीत के फैंस के लिए एक विजुअल ट्रीट भी साबित हो रही है. अवनीत कौर सोशल मीडिया पर अपनी स्टाइलिश और ट्रेंडी अपीयरेंस के लिए जानी जाती हैं, और यह फोटोशूट उनकी उसी छवि को और मज़बूत करता है.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक :-जेम्स मरांडी, प्रधान संपादक- माइकल मरांडी, कोटालपोखर जिला साहिबगंज, पिनकोड -816105 से प्रकाशित
संथाल संध्या डिजिटल संध्या दैनिक हिंदी न्यूज़पेपर, संपर्क नंबरः- 9800993294,9334344989, Email: santhalsandhya@gmail.com